Downloaded from https:// www.studiestoday.com

1 बेटी

पढ़ना-लिखना, तरक्की करना एवं दुनिया में उजियारा फैलाने में नारी कभी पीछे नहीं रही। वह खुद स्वाभिमान से जी कर स्वनिर्भर बन सकती है। वह सम्मान की अधिकारिणी है। समाज व राष्ट्र की उन्नति में नारी महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

प्रस्तुत कविता में एक बालिका की आशा एवं भावनाओं की अभिव्यक्ति द्वारा उसके आत्मविश्वास को व्यक्त किया गया है।

बेटी हूँ मैं बेटी.... मैं तारा बनूँगी
तारा बनूँगी, सहारा बनूँगी....
बेटी हूँ मैं.....
गगन पे चमके चंदा, मैं धरती पे चमकूँगी,
धरती पर चमकूँगी, मैं उजियारा करूँगी....
बेटी हूँ मैं.....

पढ़ूँगी-लिखूँगी मैं मेहनत करूँगी,
अपने पाँव चलकर मैं दुनिया को देखूँगी
दुनिया को देखूँगी मैं दुनिया को समझूँगी
बेटी हूँ मैं.....

फूल जैसी सुंदर मैं बागों में खिलूँगी,
तितली बनूँगी मैं हवा को चूमूँगी,
हवा को चूमूँगी, नाचूँगी, गाऊँगी,
बेटी हूँ मैं.....

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

शब्दार्थ

सहारा आश्रय, आधार **गगन** नभ **चमकना** जगमगाना, (यहाँ) उन्नति करना **उजियारा** उजाला, प्रकाश **तितली** रंगबिरंगी उड़ता पतिंगा, पतंगियुं (गुज.)

मुहावरे

तारा बनना श्रेष्ठ बनना **अपने पाँव पर चलना** आत्मनिर्भर बनना

अभ्यास

प्रश्न 1. इस काव्य का आरोह-अवरोहयुक्त समूहगान कीजिए।

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए :

(1) आत्मनिर्भर बनने के लिए आप क्या करेंगे?

(2) बेटी पढ़ लिखकर क्या करेगी?

(3) बेटी की तरह आप किसी का सहारा बनने के लिए क्या-क्या करेंगे?

(4) बड़े होकर आप क्या बनना चाहते हैं? क्यों?

(5) आप जीवन में क्या करना चाहते हैं?

प्रश्न 3. बॉक्स में दिए गए शब्दों के अर्थ शब्दकोश में से ढूँढ़कर, उन्हें शब्दकोश के क्रम में पत्तियों में लिखिए :

- मिसाल
- गर्व
- अम्बर
- शान
- कष्ट

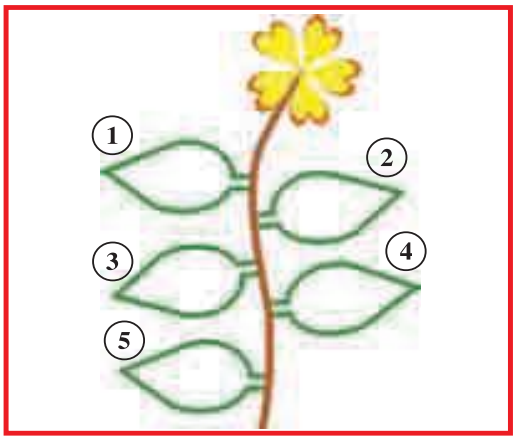

प्रश्न 4. निम्नलिखित शब्दों को उदाहरण के अनुसार उचित क्रम में रखकर अर्थपूर्ण वाक्य बनाइए :

उदाहरण : • शब्द - चाहिए, का, प्रसार, घर-घर, होना, में, शिक्षा।

• वाक्य - घर-घर में शिक्षा का प्रसार होना चाहिए।

(1) पेड़, भारत, का, की, है, मूलतः, नीम, धरती।

(2) नीम, है, दातुन, श्रेष्ठ, की, होती, दाँतों, लिए, के।

(3) दीया, जलाकर, दिया, रख, में, आँगन।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

(4) अधीरता, दिखानी, हमें, में, नहीं, खाने, चाहिए।

(5) विनम्रता, चाहिए, व्यवहार, हमारे, में, होनी, भी।

स्वाध्याय

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) बेटी सहारा बनने के लिए क्या-क्या करेगी?

(2) बेटी दुनिया को कैसे समझना चाहती है?

(3) बेटी तितली बनकर क्या करना चाहती है?

(4) बेटी की क्या-क्या तमन्नाएँ हैं?

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यपंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

(1) गगन पे चमके चंदा, मैं धरती पे चमकूँगी,
धरती पर चमकूँगी, मैं उजियारा करूँगी....

(2) पढ़ूँगी-लिखूँगी मैं मेहनत करूँगी,
अपने पाँव चलकर मैं दुनिया को देखूँगी
दुनिया को देखूँगी मैं दुनिया को समझूँगी।

प्रश्न 3. उदाहरण के अनुसार विलोम शब्द का प्रयोग कीजिए :

उदाहरण : सफल - असफल

- **वाक्य प्रयोग** (1) तेनसिंग एवरेस्ट पर पहुँचने में सफल हुए।
  (2) कई बार मेहनत करने पर भी आदमी असफल होता है।
- **शब्द** (1) आकाश (2) उजियारा (3) इधर (4) भलाई (5) पाना

प्रश्न 4. उदाहरण के अनुसार वचन परिवर्तन करके वाक्य में प्रयोग कीजिए :

उदाहरण : घोड़ा - घोड़े

- **वाक्य प्रयोग** (1) घोड़ा दौड़ रहा है।
  (2) घोड़े दौड़ रहे हैं।
- **शब्द** (1) मैं (2) बच्चे (3) खिलौना (4) खेत

भाषा-सज्जता

- **निम्नलिखित शब्दों को पढ़िए :**

(1) केशा साहसी बालिका थी।

(2) बगीचे में सुन्दर फूल खिले थे।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

(3) भारत ने श्रीलंका को **तीन** विकेट से हराया।

(4) बाल्टी में थोड़ा-सा पानी है।

(5) वह आदमी जा रहा था।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द 'साहसी', 'सुन्दर', 'तीन', 'थोड़ा-सा' और 'वह' संज्ञा की विशेषता बताते हैं।

जो शब्द संज्ञा की विशेषता बताता है, उसे 'विशेषण' कहते हैं।

- **निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए :**

(1) हमारे देश में ईमानदार लोग ज्यादा हैं।

(2) मुंबई जाने के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ता है।

(3) कौए का रंग काला होता है।

(4) खरगोश का शरीर मुलायम होता है।

(5) शरीर के साथ मन स्वस्थ रखना जरूरी है।

(6) भारतीय संस्कृति विश्व में प्रसिद्ध है।

(7) पानी गंधहीन होता है।

(8) पूर्व दिशा में सूर्योदय होता है।

उपर्युक्त वाक्यों में 'ईमानदार', 'लंबा', 'काला', 'मुलायम', 'स्वस्थ', 'भारतीय', 'गंधहीन', 'पूर्व' शब्दों को रेखांकित किया गया है। वे शब्द संज्ञा के गुण-दोष, आकार, रंग-रूप, स्पर्श, दशा-अवस्था, स्थान, देश-काल, स्वाद-गंध और दिशा को प्रदर्शित करते हैं।

जिस शब्द से संज्ञा का गुण-दोष, आकार, रंग-रूप, स्पर्श, दशा-अवस्था, स्थान, देश-काल, स्वाद-गंध और दिशा का बोध होता हो, उसे 'गुणवाचक विशेषण' कहते हैं।

प्रश्न 1. निम्नलिखित वाक्यों में से गुणवाचक विशेषण छाँटकर ☐ में लिखिए :

(1) वरदराज चतुर बालक था। ☐

(2) फूल बाज़ार में पीले गुलाब मिलते हैं। ☐

(3) मिर्च का स्वाद तीखा होता है। ☐

(4) शहरों में पंजाबी खाना मिलता है। ☐

(5) सफ़ेद कपड़ों में दाग तुरन्त दिखाई देता है। ☐

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

इतना जानिए

- **गुणवाचक विशेषण संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की निम्नलिखित विशेषताओं का बोध कराता है :**

(1) **गुण-दोष :** ईमानदार, बुद्धिमान, चतुर, योग्य, अच्छा, बुरा, बेईमान, दुष्ट, क्रूर, आलसी, अयोग्य, पापी आदि।

(2) **आकार :** गोल, चौड़ा, लंबा, पतला, छोटा, मोटा, वर्गाकार, तिकोना आदि।

(3) **रंग-रूप :** सफेद, काला, पीला, साँवला, गोरा, मैला, चमकीला आदि।

(4) **स्पर्श :** कोमल, कठोर, खुरदरा, चिकना, मुलायम आदि।

(5) **दशा-अवस्था :** स्वस्थ, कमजोर, बीमार, दुर्बल, रोगी, बूढ़ा, युवा आदि।

(6) **स्थान, देश-काल :** ग्रामीण, प्राचीन, भारतीय, शहरी, जापानी, पंजाबी आदि।

(7) **स्वाद-गंध :** मीठा, खट्टा, चटपटा, कड़ुआ, फीका, तीखा आदि।

(8) **दिशा :** पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण आदि।

- **[अ] निम्नलिखित वाक्यो को पढ़िए :**

(1) प्रयाग तीन नदियों का संगम स्थान है।

(2) आज केवल आधा लीटर दूध चाहिए।

(3) गौरव तीसरी कक्षा में पढ़ता है।

(4) सचिन वन-डे में दुहरा शतक लगा चुके हैं।

(5) हमारे देश की चारों दिशा रक्षित हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में 'तीन', 'आधा', 'तीसरी', 'दुहरा', 'चारों' आदि शब्दों को रेखांकित किया गया है, ये शब्द पूर्णांक बोध, अपूर्णांक बोध, क्रमवाचक, आवृत्तिवाचक और समूहवाचक संख्या का बोध कराते हैं।

जिस शब्द से वस्तु की निश्चित संख्या का बोध होता हो, उसे 'निश्चित संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं।

- **[ब] निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए :**

(1) कई लोग नर्मदा की परिक्रमा करते हैं।

(2) कुछ लड़कों ने पर्यावरण बचाने का बीड़ा उठाया है।

(3) ज्यादा लोग बैठने से नाव उलट गई।

उपर्युक्त वाक्यों में 'कई', 'कुछ', 'ज्यादा' आदि शब्दों को रेखांकित किया गया है। ये शब्द अनिश्चित संख्या का बोध कराते हैं।

जिस शब्द से वस्तु की निश्चित संख्या का बोध न होता हो, उसे 'अनिश्चितवाचक विशेषण' कहते हैं।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

इतना जानिए

- **निश्चित संख्यावाचक विशेषण के कुछ अन्य भेद हैं :**

(1) **पूर्णांक बोधक :** एक, तीन, नौ, हजार आदि।
(2) **अपूर्णांक बोधक :** आधा, पाव, पौना, डेढ़, ढ़ाई आदि।
(3) **क्रम वाचक :** पहला, दूसरा, तीसरा, चोथा आदि।
(4) **आवृत्ति वाचक :** दुगुना, चौगुना, इकहरा, दुहरा आदि।
(5) **समूह वाचक :** दोनों, तीनों, चारों आदि।

प्रश्न 2. निम्नलिखित शब्दों में से निश्चितवाचक और अनिश्चितवाचक विशेषण को छाँटकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(1) कई (2) थोड़ा (3) पचास (4) ढाई (5) बहुत
(6) कुछ (7) चौगुना (8) चौथा (9) ज्यादा (10) चारों

योग्यता विस्तार

- **प्रकल्प कार्य (Project Work)**
- भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान देनेवाली नारियों की जानकारी प्राप्त करना।
  मुद्दे : जन्म - बाल्यकाल - शिक्षा - जिस क्षेत्र में योगदान दिया है उसका विवरण (सचित्र जानकारी)
- टेपरिकार्डर या डी.वी.डी. के माध्यम से ऐसी अन्य कविता सुनाइए।
- झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के बारे में निम्नलिखित काव्य पंक्तियों का गान कीजिए :
  [यह काव्य सुभद्राकुमारी चौहान रचित है।]

"कानपुर के नाना की मुँहबोली बहिन छबीली थी,
लक्ष्मीबाई नाम पिता की वह संतान अकेली थी,
नाना के संग पढ़ती थी वह नाना के संग खेली थी,
बर्छी, ढाल, कृपाण, कटारी उसकी यही सहेली थी,
वीर शिवाजी की गाथाएँ, उसको याद जबानी थी,
बुंदेलों, हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसीवाली रानी थी।"

- अपने गाँव / शहर की ऐसी बेटियों से मिलें, जिसने किसी क्षेत्र-विशेष में सफलता प्राप्त की हो और जानें कि उन्होंने यह सफलता कैसे प्राप्त की।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

2 हम भी बनें महान

सीधे-सादे कार्य एवं घटनाओं में कर्तव्यपालन, प्रामाणिकता, मानवता, अविरत अभ्यास आदि तत्त्व जुड़ने पर कार्य और कर्ता दोनों की गरिमा और महिमा बढ़ जाती है।

प्रस्तुत इकाई में स्वामी विवेकानंद, गोपालकृष्ण गोखले, सचिन तेंदुलकर और हजरत अली के जीवन से जुड़े कुछ प्रसंग दिए गए हैं; जिनमें उनकी महानता के कुछ बुनियादी गुण दृष्टव्य होते हैं। यही गुण हमारे जीवन के लिए प्रेरणा-पीयूष हैं। ऐसे गुणों को अपनाकर हम भी महान बन सकते हैं।

कर्तव्य

मेले में सब खिलौने ले रहे थे, तब नरेन्द्र नामक एक लड़के ने दो रुपए का एक शिवलिंग खरीदा। अब भी उसके पास एक चवन्नी बची थी। एक लड़के को रोते देखकर नरेन्द्र ने उससे पूछा - ''क्यों रो रहा है?'' लड़के ने कहा, ''मेरे पास एक चवन्नी थी; कहीं गिर गई। अब मेरी माँ मुझे बहुत पीटेगी।''

''कोई बात नहीं, यह लो चवन्नी।'' कहकर नरेन्द्र ने अपनी चवन्नी उसे दे दी और आगे बढ़ गया।

अभी नरेन्द्र कुछ दूर ही गया था कि सामने से एक मोटर आती दिखाई दी। एक छोटा-सा बच्चा उस मोटर से बिलकुल बेखबर चला जा रहा था। नरेन्द्र ने झपटकर उस बालक को खींच लिया। एक पल की देरी होती तो वह बालक मोटर के नीचे आ जाता। इस झपटने की क्रिया में नरेन्द्र के हाथ से शिवलिंग छूटकर गिर गया और टूट गया। इस दौरान इकट्ठे हुए लोगों में से किसी ने कहा, ''बेचारे का नुकसान हो गया, कितने चाव से खरीदा था शिवलिंग।'' यह सुनते ही नरेन्द्र ने कहा, ''इससे क्या? इस बालक की जान बचाना मेरा पहला कर्तव्य है।''

वस्तु से भी व्यक्ति का जीवन ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। मानवता सबसे ऊपर है। बचपन से ही ऐसे ख़यालात रखनेवाला नरेन्द्र आगे चलकर स्वामी विवेकानंद के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

◆

नियम सबके लिए है

बात सन् 1885 की है। पूना के न्यू इंग्लिश हाईस्कूल में समारोह हो रहा था। प्रमुख-द्वार पर एक स्वयंसेवक नियुक्त था, जिसे यह कर्तव्य-भार दिया गया था कि आनेवाले अतिथियों के निमंत्रण-पत्र देखकर

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

उन्हें सभा-स्थल पर यथा-स्थान बिठा दे। उस समारोह के मुख्य-अतिथि थे मुख्य न्यायाधीश महादेव गोविंद रानडे। जैसे ही वह विद्यालय के द्वार पर पहुँचे, वैसे ही स्वयंसेवक ने उन्हें अंदर जाने से शालीनतापूर्वक रोक दिया और निमंत्रण-पत्र की माँग की।

''बेटा, मेरे पास तो निमंत्रण-पत्र नहीं है।'' रानडे ने कहा।

''क्षमा करें, तब आप अंदर प्रवेश न कर सकेंगे।'' स्वयंसेवक का नम्रतापूर्ण उत्तर था।

द्वार पर रानडे को देखकर स्वागत-समिति के कई सदस्य आ गए और उन्हें मंच की ओर ले जाने का प्रयास करने लगे। पर स्वयंसेवक ने आगे बढ़कर कहा, ''श्रीमान, मेरे कार्य में यदि स्वागत-समिति के सदस्य ही रोड़ा अटकाएँगे तो फिर मैं अपना कर्तव्य कैसे निभा सकूँगा? कोई भी अतिथि हो, उसके पास निमंत्रण-पत्र होना ही चाहिए। भेद-भाव की नीति मुझसे नहीं बरती जाएगी।''

यह स्वयंसेवक आगे चलकर गोपाल कृष्ण गोखले के नाम से प्रसिद्ध हुआ और देश की बड़ी सेवा की।

◆

सफलता का रहस्य

''अंडर फोर्टीन क्रिकेट टीम'' के कप्तान के रूप में एक लड़का अपनी टीम के साथ क्रिकेट मैच खेलने के लिए अहमदाबाद में आया था। उसकी टीम फाईव स्टार होटल में ठहरी थी। सुबह उठते ही पूरी टीम कोच-मैनेजर के साथ अल्पाहार के लिए तैयार थी। एक मात्र कप्तान नहीं दिखाई दे रहा था। उसे ढूँढ़ने के लिए पूरी टीम लग गई, पर वह नहीं मिला। बाद में किसी ने जाकर उसके कमरे की गैलरी में देखा तो वह एक हाथ से गेंद फैंक रहा था और ज्यों ही गेंद दीवार से टकराकर वापस आती थी, तो दूसरे हाथ से बल्ले से गेंद को खेल रहा था। साथी खिलाड़ी टीम में शामिल होने पर ही संतुष्ट थे, लेकिन वह कप्तान होकर भी सारी रात अपने आप अभ्यास करता रहा। उसका अभ्यास एवं क्रिकेट के प्रति लगाव देखकर कोच-मैनेजर और सभी साथी खिलाड़ी दंग रह गए।

आगे चलकर इसी लड़के ने क्रिकेट-जगत में अद्वितीय सफलता प्राप्त की। कई विश्व-रिकार्ड उसके कदम चूमने लगे। किसी ने उसकी सफलता का रहस्य पूछा तो बड़ी विनम्रता से उत्तर दिया कि - ''मैं हर मैच तीन बार खेलता हूँ। पहले अभ्यास के रूप में, दूसरी बार सचमुच मैदान में तथापि मैच के बाद मूल्यांकन व सुधार-आवश्यकता के रूप में।''

यह लड़का कोई और नहीं क्रिकेट की दुनिया में सफलता के नित नए कीर्तिमान स्थापित करनेवाला हमारा सचिन रमेश तेंदुलकर है।

सचमुच एकाग्रता, अविरत अभ्यास, कठोर परिश्रम एवं लगन ही सफलता के आधार हैं।

◆

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रामाणिकता

एक दिन हजरत अली राज के ख़ज़ाने की जाँच करने गये। काम करते-करते अँधेरा हो गया। मोमबत्ती जलाई गई।

थोड़ी देर बाद दो सरदार अपने निजी काम के लिए उनके पास आये। हजरत अली ने उन्हें बैठने के लिए कहा। हिसाब की जाँच-पड़ताल पूरी हुई। हजरत ने मोमबत्ती बुझा दी और मेज़ के खाने में से दूसरी मोमबत्ती निकाल कर जला ली।

सरदारों को यह देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। हजरत अली ने एक मोमबत्ती बुझाकर दूसरी क्यों जलाई, यह सरदार न समझ सके। एक सरदार ने बड़ी नम्रता से हजरत अली से पूछा।

हजरत अली बोले, ''भाई, अब तक मैं राजकाज का काम करता था, इसलिए राज की मोमबत्ती जला रखी थी। अब निजी काम शुरू हुआ है। इसलिए मैंने अपनी मोमबत्ती जला ली, नहीं तो मैं चोर या हरामखोर कहलाता। हर एक आदमी को चोरी और हरामखोरी से बचकर चलना चाहिए। चाहे वह अमीर हो या फ़क़ीर।''

देखने में तो यह बात बहुत छोटी-सी लगती है, पर है बड़े महत्त्व की। अब हम आज़ाद हो गये हैं। राज काज का काम तभी अच्छी तरह से चल सकता है, जब लोगों में इस तरह की प्रामाणिकता हो।

हमारे पुरखों ने कहा है : ''मा गृधः कस्यस्विद्धनम्'' - ''किसी के धन-माल की लालसा मत करो। यह मनुष्य के लिए सबसे बड़ी सीख है।''

शब्दार्थ

नुकसान हानि **खयाल** विचार **स्वयंसेवक** अपने आप सेवा करनेवाला **नियुक्त** काम पर लगाया हुआ **कर्तव्य-भार** उचित काम की जिम्मेदारी **प्रयास** प्रयत्न **सदस्य** सभासद **भेदभाव** व्यवहार में अंतर **प्रसिद्ध** विख्यात **अल्पाहार** नास्ता **रहस्य** गुप्तभेद **खजाना** धन-भंडार **जाँच** परीक्षण **हरामखोर** हराम का माल खानेवाला **अमीर** धनवान **पुरखा** पूर्वज

अभ्यास

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) बच्चे को बचाने में देरी होती तो क्या होता?

(2) 'दूसरों की जान बचाना' हमारा कर्तव्य है। आप और किन बातों को अपना कर्तव्य समझते हैं?

(3) मुख्य-अतिथि को द्वार पर ही रोक देना सही था? क्यों?

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

(4) आपको कहाँ-कहाँ पर भेद-भाव की नीतियाँ दिखाई देती हैं?

(5) सफल होने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

(6) आप किसको प्रामाणिक इन्सान कहते हैं?

प्रश्न 2. आपने कोई घटना या प्रसंग सुना हो या पढ़ा हो, उसे कक्षा में कहिए। कक्षा में प्रस्तुत की गई घटना या प्रसंग में से किसी एक को अपनी भाषा में लिखिए।

प्रश्न 3. चर्चा कीजिए :

(1) यदि पक्षी बोल पाते तो पेड़ों की कटाई के विषय में वे आपसे क्या कहते?

(2) यदि धरती बोल पाती तो मनुष्य के बारे में ईश्वर से क्या शिकायत करती?

प्रश्न 4. निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़िए और लिखिए :

किसी ने स्वामी विवेकानंद से पूछा, ''सब कुछ खोने पर भी मनुष्य के पास क्या होना जरूरी है?'' स्वामी विवेकानंद ने कहा, ''उस उम्मीद का होना जरूरी है, जिसके बलबूते पर हम खोया हुआ सब कुछ वापस पा सकते हैं।''

प्रश्न 5. निम्नलिखित परिच्छेदों में उचित विरामचिह्न लगाकर लिखिए :

[(।) (?) (!) (-) (‘ ’) (“ ”) (,), (;)]

(1) बात पुराने जमाने की है उन दिनों देवताओं और दानवों में युद्ध होता रहता था दोनों पक्ष मिलकर एक बार प्रजापति के पास गए वहाँ जाकर बोले मान्यवर हम दोनों ही आपकी संतानें हैं बताइए कि हम दोनों में बड़ा कौन है

(2) समय वह संपत्ति है जो प्रत्येक मनुष्य को प्रगति की ओर ले जाती है जो लोग इस धन का उचित विनियोग करते हैं उन्हें शारीरिक सुख तथा आत्मिक आनन्द प्राप्त होता है इसी के द्वारा मूर्ख चतुर निर्धन धनवान और अज्ञानी ज्ञानी बन सकता है संतोष या सुख मनुष्य को तब तक प्राप्त नहीं होते जब तक वह उचित रीति से समय का उपयोग नहीं करता क्या तुम मानते हो कि समय नि:संदेह एक रत्न राशि है

स्वाध्याय

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्य में लिखिए :

(1) लड़के ने रोने का क्या कारण बताया?

(2) नरेन्द्र बड़ा होकर किस नाम से प्रसिद्ध हुआ?

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

(3) इस प्रसंग में नरेन्द्र में कौन-कौन से गुण नजर आते हैं?

(4) द्वार पर रानडे को देखकर स्वागत-समिति के सदस्यों ने क्या किया?

(5) अल्पाहार के समय कौन नहीं दिखाई दे रहा था?

(6) सफलता के क्या-क्या आधार हैं?

(7) हजरत अली ने एक मोमबत्ती बुझाकर दूसरी मोमबत्ती क्यों जलाई ?

(8) हमारे पुरखों ने क्या कहा है?

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) लोगों की बात सुनकर नरेन्द्र ने क्या कहा?

(2) रानडे को किसने रोका? क्यों?

(3) कोच, मैनेजर और साथी खिलाड़ी क्यों दंग रह गए?

(4) राज-काज का काम कैसे अच्छी तरह से चल सकता है?

प्रश्न 3. उचित विकल्प के सामने गोला '●' कीजिए :

(1) नरेन्द्र ने लड़के को क्या दिया?

○ अठन्नी ○ चवन्नी

○ शिवलिंग ○ रुपया

(2) समारोह के मुख्य अतिथि कौन थे?

○ हजरत अली ○ स्वामी विवेकानंद

○ गोपालकृष्ण गोखले ○ महादेव गोविन्द रानडे

(3) स्वयं-सेवक क्या देखकर, लोगों को यथा-स्थान ले जा रहा था?

○ निमंत्रण-पत्र ○ पहचान-पत्र

○ राशनकार्ड ○ ड्राइवींग लाइसन्स

(4) स्वागत-समिति के सदस्य रानडे को किस ओर ले जाने का प्रयास कर रहे थे?

○ विश्रामगृह ○ भोजनकक्ष

○ मंच ○ सभागृह

(5) किसे ढूँढ़ने के लिए पूरी टीम लग गई?

○ कोच ○ मैनेजर

○ कप्तान ○ डॉक्टर

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रश्न 4. कोष्ठक में से शब्दों को चुनकर, समानार्थी शब्दों की जोड़ बनाइए और प्रत्येक शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

• कामयाबी	• ख़याल	• नुकसान	• प्रसिद्ध
• जाँच	• अमीर	• परीक्षण	• हानि
• सफलता	• विख्यात	• विचार	• धनवान

भाषा-सज्जता

- **निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए :**

(1) राधा ने दो लीटर तेल मँगवाया है।
(2) किशन ने पचास ग्राम इलायची खरीदी।
(3) राहुल थोड़ी चीनी लेकर आया।
(4) पिताजी बाज़ार से कुछ सब्जियाँ लाए।

उपर्युक्त वाक्यों में 'दो लीटर', 'पचास ग्राम', 'थोड़ी', 'कुछ' शब्दों को रेखांकित किया गया है। ये शब्द नाप-तौल को दर्शाते हैं।

जो शब्द किसी वस्तु के नाप-तौल को दर्शाते हैं, उसे 'परिमाणवाचक विशेषण' कहते हैं।

- **निम्नलिखित वाक्यों में से 'परिमाणवाचक विशेषण' को छाँटकर ☐ में लिखिए :**

(1) दो मीटर कपड़ा दीजिए। ☐
(2) दिनेश ने बहुत मिठाई खाई। ☐
(3) राधा ने चाय में थोड़ा दूध डाला। ☐
(4) मीना ने एक किलो हल्दी ली। ☐

- **निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए :**

(1) मेरा काम पूरा हो गया।
(2) वह आदमी जा रहा है।
(3) यह घोड़ा है।
(4) मुझे कोई किताब दे दीजिए।
(5) वे कौन लोग थे?

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द - 'मेरा', 'वह', 'यह', 'कोई', 'कौन' - सर्वनाम हैं। ये शब्द संज्ञा की विशेषता दर्शाते हैं।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

जब सर्वनाम किसी संज्ञा की विशेषता बताता है, तब उसे 'सार्वनामिक विशेषण' कहते हैं।

- **निम्नलिखित वाक्यों में से 'सार्वनामिक विशेषण' को अलग छाँटकर ☐ में लिखिए :**

(1) वे लड़के खेल रहे हैं। ☐

(2) तुम्हारा काम पूरा हो गया? ☐

(3) यह पेन्सिल हीरल की है। ☐

(4) वह लड़की पढ़ रही है। ☐

(5) सरला को कोई खिलौने दो। ☐

योग्यता विस्तार

- महापुरुषों के जीवन के प्रेरक-प्रसंग पढ़िए और प्रार्थना सभा में सुनाइए।
- 'आप में क्या-क्या खूबियाँ हैं और क्या-क्या कमियाँ?' अपने साथियों के जरिए जानिए और सूची बनाइए।
- महात्मा गाँधी, सरदार पटेल, रानी लक्ष्मीबाई आदि के जीवन पर आधारित फिल्म या धारावाहिक देखिए।

◆

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

3 सच्चा हीरा

प्रस्तुत कहानी में व्यक्ति के ज्ञान के साथ-साथ उसके कर्म को भी महत्त्व दिया गया है। अच्छा ज्ञान, अच्छी बात है लेकिन वह आचरण में नहीं है तो, निरर्थक है। इस बात को रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया है।

सूर्य अस्त हो रहा था। पक्षी चहचहाते हुए अपने-अपने नीड़ की ओर जा रहे थे। गाँव की कुछ स्त्रियाँ पानी लेने के लिए घड़े लेकर कुएँ की ओर चल पड़ीं। पानी भरकर कुछ स्त्रियाँ तो अपने घरों को लौट गईं परन्तु उनमें से चार, कुएँ की पक्की जगत पर बैठकर आपस में इधर-उधर की बातें करने लगीं। बातचीत करते-करते बात बेटों पर जा पहुँची। उनमें से एक की उम्र सबसे बड़ी लग रही थी। वह कहने लगी, ''भगवान सबको मेरे बेटे जैसा बेटा दे। मेरा बेटा लाखों में एक है। उसका कंठ बहुत मधुर है। वह बहुत अच्छा गाता है। उसके गीत को सुनकर कोयल और मैना भी चुप हो जाती है। लोग बड़े चाव से उसका गीत सुनते हैं।''

उसकी बात सुनकर दूसरी स्त्री का मन हुआ कि वह भी अपने बेटे की प्रशंसा करे। उसने पहली स्त्री से कहा, ''मेरे बेटे की बराबरी कोई नहीं कर सकता। वह बहुत ही शक्तिशाली और बहादुर है। वह बड़े-बड़े बहादुरों को भी पछाड़ देता है। वह आधुनिक युग का भीम है।'' यह सब सुनकर तीसरी औरत भला कैसे चुप रहती? वह बोल उठी, ''मेरा बेटा साक्षात् बृहस्पति का अवतार है। वह जो कुछ पढ़ता है, एकदम याद कर लेता है। ऐसा लगता है मानो उसके कंठ में सरस्वती का निवास हो।''

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

तीनों औरतों की बातें सुनकर चौथी स्त्री चुपचाप बैठी रही। उसने अपने बेटे के बारे में कुछ न कहा। पहली ने उसे टोकते हुए कहा, ''क्यों बहन तुम क्यों चुप हो? तुम भी तो अपने बेटे के बारे में कुछ बताओ।'' चौथी स्त्री ने बड़े ही सहज भाव से कहा, ''मैं अपने बेटे की क्या प्रशंसा करूँ? वह न तो गंधर्व-सा गायक है, न भीम-सा बलवान और न ही बृहस्पति-सा बुद्धिमान।''

कुछ समय बाद जब वे सब घड़े सिर पर रखकर लौटने लगीं, तभी किसी गीत का मधुर स्वर सुनाई पड़ा। सुनकर पहली स्त्री बोली, ''सुनो, मेरा हीरा गा रहा है। तुम लोगों ने सुना, उसका कंठ कितना मधुर है?'' वह लड़का गीत गाता हुआ उसी रास्ते से निकल गया। उसने अपनी माँ की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। इतने में दूसरी स्त्री का बेटा उधर से आता दिखाई दिया। दूसरी स्त्री उसे देखकर गर्व से बोली, ''देखो, वह मेरा लाड़ला बेटा आ रहा है। शक्ति और सामर्थ्य में इसकी बराबरी कौन कर सकता है?'' वह यह कह ही रही थी कि उसका बेटा भी उसकी ओर ध्यान दिए बिना ही निकल गया।

वे कुछ आगे बढ़ीं तो एकाएक तीसरी स्त्री का बेटा उधर से संस्कृत के श्लोकों का पाठ करता हुआ निकला। उसके उच्चारण से ऐसा लग रहा था मानो उसके कंठ में साक्षात् सरस्वती विराजमान हों। तीसरी स्त्री ने गद्‌गद् स्वर में कहा, ''देखो, यही है मेरी गोद का हीरा। इसे कौन बृहस्पति का अवतार नहीं कहेगा?'' परन्तु उसका बेटा भी माँ की ओर देखे बिना आगे बढ़ गया।

वह अभी थोड़ी ही दूर गया था कि चौथी स्त्री का बेटा भी अचानक उधर से आ निकला। वह देखने में बहुत ही सीधा-सादा और सरल प्रकृति का लग रहा था। उसे देखकर चौथी स्त्री ने कहा, ''बहन यही मेरा लाल है।''

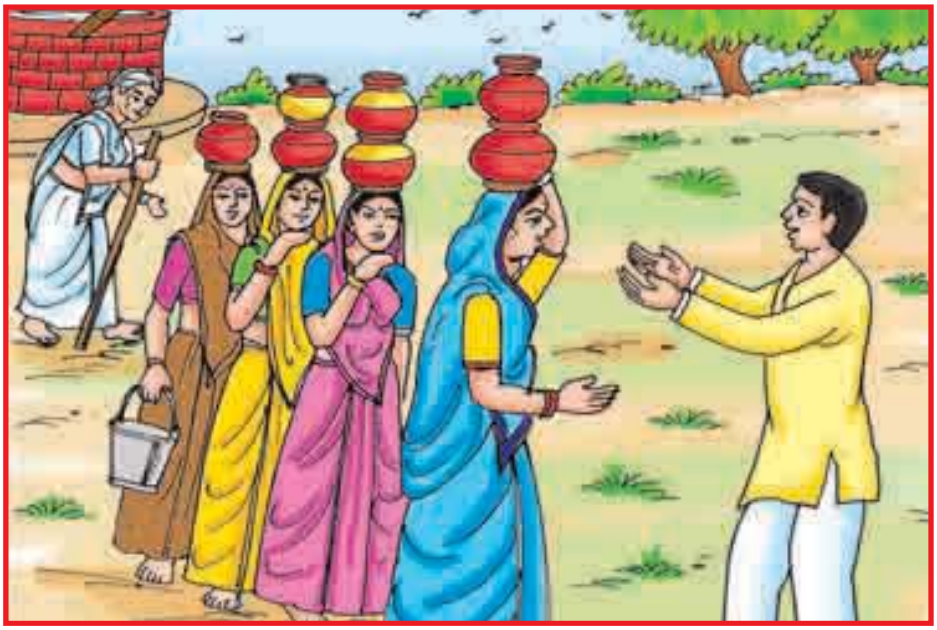

चौथी स्त्री उसके बारे में बता ही रही थी कि उसका बेटा पास आ पहुँचा। अपनी माँ को देखकर वह रुक गया और बोला, ''माँ, लाओ मैं तुम्हारा घड़ा पहुँचा दूँ।'' मना करने पर भी उसने माँ के सिर से पानी से भरा घड़ा उतारकर अपने सिर पर रखा और घर की ओर चल पड़ा।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

तीनों औरतें बड़े ही आश्चर्य से चौथी स्त्री के बेटे को देखती रहीं। एक वृद्ध महिला जो बहुत देर से इन औरतों के पीछे चलती हुई इनकी बातें सुन रही थी, पास आकर बोली ''देखती क्या हो? यही 'सच्चा हीरा' है।''

शब्दार्थ

हीरा नररत्न, बहुत ही अच्छा आदमी **चहचहाना** चहकना, चहकारना **नीड़** घोंसला **कंठ** गला, आवाज, स्वर, शब्द **चाव** प्रबल इच्छा, लगन **प्रशंसा** तारीफ, गुण **बराबरी** तुलना, समता, समानता **सामर्थ्य** बल, योग्यता **पछाड़ना** हराना, पटकना या गिराना **आधुनिक** अर्वाचीन, नवीन **बृहस्पति** देवों के गुरु **साक्षात्** सामने, सम्मुख, प्रत्यक्ष, मूर्तिमान **निवास** घर, रहने का स्थान **टोकना** रोकना या पूछताछ करना **मधुर** मीठा **गर्व** अभिमान **प्रकृति** स्वभाव

मुहावरे

इधर-उधर की बातें करना गप्प मारना **लाखों में एक होना** विशिष्ट होना **पछाड़ देना** हराना-गिराना **बराबरी करना** मुकाबला करना **सच्चा हीरा होना** अच्छा आदमी होना

अभ्यास

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए :

(1) चौथी स्त्री का बेटा, सचमुच हीरा था। क्यों?

(2) अपने घर में आप माता-पिता को कौन-कौन से काम में मदद करते हैं?

(3) आदमी 'सच्चा हीरा' कैसे बन सकता है?

प्रश्न 2. निम्नलिखित शब्दों के बाद में तुरंत आनेवाले शब्द का अर्थ शब्दकोश में से ढूँढ़कर लिखिए :

(1) बपौती (2) व्यथा (3) नियति (4) प्रतिभा (5) शौर्य

(6) रुचि (7) बाँटना (8) क्षमा (9) उद्यान (10) अमन

प्रश्न 3. कहानी की चर्चा करके छात्रों से लेखन करवाएँ :

राजा का बीमार पड़ना - वैद्य की असफलता - किसी अनुभवी बूढ़े की सलाह - किसी सुखी मनुष्य का कुर्ता पहनो - राजा का कुर्ता खोजने जाना - मेहनती किसान को देखना - सुख का राज़ समझना।

प्रश्न 4. निम्नलिखित अपूर्ण कहानी को अपने शब्दों में [मौखिक एवं लिखित] पूर्ण कीजिए :

पुराने जमाने की बात है। कनकपुर देश के दरबारियों की ख्याति देश-विदेश में फैली हुई थी। उनकी बुद्धि की प्रशंसा सुनकर दूसरे देश के दरबारी उनकी परीक्षा लेने के लिए आए।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

उसके एक हाथ में असली फूलों की माला थी और दूसरे हाथ में नकली फूलों की माला थी। उसने दरबारियों से कहा, ''श्रीमान क्या आप हाथ लगाये बिना बता सकेंगे कि इनमें से कौन-सी माला असली फूलों की है?''

सभी दरबारी आश्चर्य में पड़ गये। दोनों मालाएँ बिलकुल समान लग रही थीं। दरबारी के प्रश्न का उत्तर देना मुश्किल था। पर आखिर एक बुद्धिमान दरबारी खड़ा हुआ...

प्रश्न 5. निम्नलिखित कहानी का सारांश लिखिए :

नंदवन में एक छोटा सा तालाब था। तालाब के शीतल जल में राजहंस रहता था। वह बड़ा सुंदर था। उसी तालाब के पासवाले पेड़ पर दुष्ट कौआ रहता था। वह राजहंस की सुंदरता पर ईर्ष्या करता था।

एक दिन शिकारी थका हुआ तालाब के पास आया। उसने तालाब से पानी पिया और पेड़ के नीचे विश्राम करने लगा। उसे नींद आ गई। कुछ देर बाद शिकारी के मुँह पर धूप आने लगी। राजहंस को दया आ गई। राजहंस ने वृक्ष पर बैठकर अपने पंख फैला दिये। जिससे शिकारी के मुँह पर छाया आ गई। कौए से हंस की भलाई और शिकारी की सुखद नींद देखी नहीं गई। उसने शिकारी को परेशान करने का सोचा, ताकि शिकारी हंस को मार डाले। कौआ उड़ता हुआ शिकारी के पास गया और उसके सिर पर चोंच मारी और उड़कर दूर जा बैठा। शिकारी तुरंत जाग गया और क्रुद्ध हो गया। उसने पेड़ पर देखा तो राजहंस पंख फैलाए बैठा था। शिकारी ने सोचा, यह कार्य इसी हंस का है। उसने राजहंस को मारने के लिए बाण चलाया, लेकिन राजहंस उसकी आवाज़ सुनकर उड़ गया।

स्वाध्याय

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) पहली स्त्री ने अपने बेटे की प्रशंसा कैसे की?

(2) दूसरी स्त्री ने अपने बेटे की तारीफ़ में क्या कहा?

(3) तीसरी स्त्री ने अपने बेटे की विशेषता में क्या कहा?

(4) चौथी स्त्री ने अपने बेटे का परिचय कैसे दिया?

प्रश्न 2. निम्नलिखित उक्ति कौन, किसे कहता है, लिखिए :

(1) ''यही सच्चा हीरा है।''

(2) ''माँ, लाओ, मैं तुम्हारा घड़ा पहुँचा दूँ।''

(3) ''सुनो, मेरा हीरा गा रहा है।''

(4) ''देखो, यही है मेरी गोद का हीरा।''

(5) ''देखो, वह मेरा लाड़ला बेटा आ रहा है।''

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

भाषा-सज्जता

- **निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए :**

(1) हम भी तुम्हारे साथ चलते हैं।
(2) आज स्कूल में छुट्टी है।
(3) रमेश बाग में खेलता है।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित किए गए 'चलते हैं', 'छुट्टी है', 'खेलता है' – ये शब्द क्रिया हो रही है, ऐसा बोध कराते हैं।

क्रिया के जिस रूप से क्रिया हो रही हो, ऐसा बोध होता हो, उसे 'वर्तमानकाल' कहते हैं।

- **निम्नलिखित वाक्यों में से 'वर्तमानकाल' की जानकारी देनेवाले शब्द को रेखांकित कीजिए :**

(1) मैंने उसे फूल दिया।
(2) मैं बाज़ार जाता हूँ।
(3) बच्चे मेदान में खेल रहे हैं।
(4) चूहे उछल-कूद कर रहे थे।
(5) वह विद्यालय जा रहा है।
(6) हम प्रयाग जायेंगे।

- **निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए :**

(1) मीना कल मुंबई गई।
(2) हेमंत ने पत्र लिखा।
(3) माँ ने दीया जलाया।
(4) गीता ने पानी पिया।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित किए गए शब्द 'गई', 'लिखा', 'जलाया', 'पिया' – क्रिया पूरी हो गई है, ऐसा बोध कराते हैं।

क्रिया के जिस रूप से क्रिया हो गई हो, ऐसा बोध होता हो, उसे 'भूतकाल' कहते हैं।

- **निम्नलिखित वाक्यों में 'भूतकाल' की जानकारी देनेवाले शब्द को रेखांकित कीजिए :**

(1) मैंने उसे फल दिए।
(2) पिताजी अख़बार पढ़ रहे थे।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

(3) गांधीनगर गुजरात में है।

(4) ये चित्र आपको कल दूँगा।

(5) यहाँ अक्सर सूखा पड़ता है।

(6) हम पहले सुरत में रहते थे।

(7) सोमनाथ ज्योतिर्लिंग है।

- **निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए :**

(1) अब्दुल कल आएगा।

(2) लड़के शाम को खेलेंगे।

(3) मीना गुड़िया खरीदेगी।

(4) डाकिया डाक लाएगा।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित किए गए शब्द 'आएगा', 'खेलेंगे', 'खरीदेगी', 'लाएगा' – क्रिया होनेवाली है, ऐसा बोध कराते हैं।

क्रिया के जिस रूप से क्रिया होनेवाली हो, ऐसा बोध होता हो, उसे 'भविष्यकाल' कहते हैं।

प्रश्न 1. निम्नलिखित वाक्यों में से 'भविष्यकाल' की जानकारी देनेवाले शब्द को रेखांकित कीजिए :

(1) माली बाग में से फूल चुनेगा।

(2) हम हिन्दी सीखते हैं।

(3) पिंकल कल कहानी की किताब लाएगी।

(4) मैं शिक्षक बनूँगा।

(5) कोमल छठी कक्षा की छात्रा थी।

(6) अनिल कल पतंग उड़ाएगा।

(7) मैं बस में जा रहा था।

- **क्रिया के जिस रूप से क्रिया के समय, उसकी पूर्णता या अपूर्णता का बोध हो, उसे काल कहते हैं।**
- **काल के प्रमुख तीन भेद हैं : (1) वर्तमानकाल (2) भूतकाल (3) भविष्यकाल**

प्रश्न 2. निम्नलिखित वाक्यों से जिस काल का पता चलता हो, उनके सामने उस काल का नाम लिखिए :

(1) रोशनी ने कहानी सुनाई। _____

(2) हम परसों घूमने जाएँगे। _____

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

(3) पिताजी के जूते खो गए। _____

(4) मैं दादाजी के साथ मंदिर जाता हूँ। _____

(5) अनिता सातवीं कक्षा में पढ़ती है। _____

(6) मैं किताबें खरीदूँगी। _____

(7) बेटी पढ़-लिखकर दुनिया घूमेगी। _____

(8) हरि, रहीम से बात कर रहा था। _____

(9) मेरे पैरों में दर्द हो रहा था। _____

प्रश्न 3. निम्नलिखित शब्दों से उदाहरण अनुसार वर्तमानकाल, भूतकाल और भविष्यकाल का एक-एक वाक्य बनाइए :

उदाहरण : खेलना

- **वर्तमानकाल** - मैं खेलता हूँ।
- **भूतकाल** - मैं खेलता था।
- **भविष्यकाल** - मैं खेलूँगा।

शब्द : (1) पढ़ना (2) ऊड़ेलना (3) बटोरना (4) लिखना (5) सहलाना (6) सराहना

योग्यता विस्तार

- पुस्तकालय में से ध्रुव, प्रह्लाद, श्रवण, नचिकेता आदि की कहानियों की पुस्तकें पढ़िए।
- हमारे देश के महान सपूतों जैसे : गाँधी जी, स्वामी विवेकानंद, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, सुभाषचंद्र बोस, लाल बहादुर शास्त्री, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, इंदिरा गाँधी, रानी लक्ष्मीबाई, डॉ. विक्रम साराभाई आदि के बचपन के बारे में पुस्तकालय में जाकर जानकारी प्राप्त कीजिए।
- बालभारती, बालसृष्टि, बालतरंग और चांदामामा जैसी पत्रिकाएँ पढ़िए।
- पुनीत महाराज रचित 'मा-बाप ने भूलशो नहीं' गुजराती गीत का गान कीजिए या टेपरिकार्डर के द्वारा सुनाइए।

◆

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

4 देश के नाम संदेश

पत्र के माध्यम से हम दूर बसे संबंधियों, परिवारजनों तथा मित्रों को अपनी बात आसानी से पहुँचा सकते हैं एवं सरकारी दफ्तरों में अपनी शिकायतें और आवेदन पहुँचा सकते हैं। आजकल दूरभाष, मोबाइल, तार, ई-मेल आदि से भी यह कार्य किया जाता है, फिर भी पत्र का अपना विशेष महत्त्व है।

हमारे पूर्व राष्ट्रपति एवं 'मिसाइलमेन' डॉ. अबुल पकीर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम ने नई दिल्ली से 19 मई 2005 के दिन 'क्या आपके पास देश के लिए दस मिनट है?' नाम से देश के नागरिकों को ई-मेल किया था। इसमें देशवासियों के मन में देशाभिमान की भावना उत्पन्न हो, ऐसी सीख भी है।

मातृछाया, ऊँची शेरी,
गाँव - मेसपुरा,
तहसील - भाभर,
जिला - बनासकांठा,
दिनांक - 24-12-2011

प्रिय मित्र हर्ष,

नमस्ते।

मैं यहाँ सकुशल हूँ। आशा है वहाँ सभी सकुशल होंगे।

तुम्हारा खत मिला, पढ़कर खुशी हुई। मैंने डॉ. अब्दुल कलाम का देशवासियों के नाम भेजा गया एक ई-मेल पढ़ा, वही तुम्हारे लिए प्रेषित कर रहा हूँ।

''डॉ. कलाम अपने संदेश की शुरुआत में ही पूछते हैं, क्या आपके पास अपने देश के लिए दस मिनट का समय है? यदि हाँ, तो इसे पढ़िए वरना मरज़ी आपकी। (इसके बाद वह देश के लोगों की सोच बताते हुए कहते हैं -

- आप कहते हैं - हमारी सरकार निकम्मी है।
- आप कहते हैं - हमारे कानून पुराने पड़ गए।
- आप कहते हैं - नगरपालिका कचरा नहीं उठाती।
- आप कहते हैं - फोन काम नहीं करता, रेलवे मजाक बन गई है, एयरलाइन दुनिया में हमारी ही सबसे खराब है, चिट्ठी अपनी मंजिल तक नहीं पहुँचती।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

4 देश के नाम संदेश

पत्र के माध्यम से हम दूर बसे संबंधियों, परिवारजनों तथा मित्रों को अपनी बात आसानी से पहुँचा सकते हैं एवं सरकारी दफ्तरों में अपनी शिकायतें और आवेदन पहुँचा सकते हैं। आजकल दूरभाष, मोबाइल, तार, ई-मेल आदि से भी यह कार्य किया जाता है, फिर भी पत्र का अपना विशेष महत्त्व है।

हमारे पूर्व राष्ट्रपति एवं 'मिसाइलमेन' डॉ. अबुल पकीर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम ने नई दिल्ली से 19 मई 2005 के दिन 'क्या आपके पास देश के लिए दस मिनट है?' नाम से देश के नागरिकों को ई-मेल किया था। इसमें देशवासियों के मन में देशाभिमान की भावना उत्पन्न हो, ऐसी सीख भी है।

मातृछाया, ऊँची शेरी,
गाँव - मेसपुरा,
तहसील - भाभर,
जिला - बनासकांठा,
दिनांक - 24-12-2011

प्रिय मित्र हर्ष,

नमस्ते।

मैं यहाँ सकुशल हूँ। आशा है वहाँ सभी सकुशल होंगे।

तुम्हारा खत मिला, पढ़कर खुशी हुई। मैंने डॉ. अब्दुल कलाम का देशवासियों के नाम भेजा गया एक ई-मेल पढ़ा, वही तुम्हारे लिए प्रेषित कर रहा हूँ।

''डॉ. कलाम अपने संदेश की शुरुआत में ही पूछते हैं, क्या आपके पास अपने देश के लिए दस मिनट का समय है? यदि हाँ, तो इसे पढ़िए वरना मरज़ी आपकी। (इसके बाद वह देश के लोगों की सोच बताते हुए कहते हैं -

- आप कहते हैं - हमारी सरकार निकम्मी है।
- आप कहते हैं - हमारे कानून पुराने पड़ गए।
- आप कहते हैं - नगरपालिका कचरा नहीं उठाती।
- आप कहते हैं - फोन काम नहीं करता, रेलवे मजाक बन गई है, एयरलाइन दुनिया में हमारी ही सबसे खराब है, चिट्ठी अपनी मंजिल तक नहीं पहुँचती।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

– आप कहते हैं, कहते रहते हैं और कहते ही रहते हैं। आपने इस बारे में क्या किया।

फिर राष्ट्रपति ने कहा : मान लीजिए एक व्यक्ति सिंगापुर जा रहा है। उसे अपना नाम दीजिए उसे अपनी शक्ल भी दे दीजिए।

– आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डे पर उतरते हैं, सिंगापुर में आप अपनी सिगरेट का टुकडा सड़कों पर नहीं फेंकते और स्टोर में खाते भी नहीं हैं।
– आपको उनके भूमिगत संपर्कों पर रश्क महसूस होता है।
– आप शाम पाँच से आठ बजे के बीच आचर्ड रोड पर कार चलाने का टॉलटैक्स तकरीबन साठ रुपए भुगतान करते हैं।
– अगर पार्किंग में आपने निर्धारित समय से ज्यादा गाड़ी खड़ी की तो टिकट पंच कराते हैं, लेकिन आप सिंगापुर में कहते कुछ नहीं, कहते हैं क्या?
– दुबई में आप रमज़ान के दिनों में सार्वजनिक रूप से कुछ भी खाने का साहस नहीं करते। जेहाद में बिना सिर ढ़के बाहर नहीं निकलते।
– वॉशिंगटन में आप 55 मील प्रति घंटा से ऊपर गाड़ी चलाने की हिमाकत नहीं करते और पलटकर सिपाही से यह भी नहीं कहते कि जानता है मैं कौन हूँ? मैं फलाँ हूँ और फलाँ मेरा बाप है।
– ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के समुद्र तटों पर आप खाली नारियल हवा में नहीं उछालते।
– टोकियो में आप सड़कों पर पान की पीक क्यों नहीं थूकते।
– बोस्टन में आप जाली योग्यता प्रमाणपत्र क्यों नहीं खरीदते।

(डॉ. कलाम बीच में याद दिलाते हैं–) मैं आप ही के बारे में बात कर रहा हूँ, सिर्फ आपके।

डॉ. कलाम कहते हैं : आप दूसरे देशों की व्यवस्था का आदर और पालन कर सकते हैं, लेकिन अपनी व्यवस्था का नहीं। भारतीय धरती पर कदम रखते ही आप सिगरेट का टुकड़ा जहाँ–तहाँ फेंकते हैं। कागज़ के पुर्जे उछालते हैं। यदि आप पराए देश में प्रशंसनीय नागरिक हो सकते हैं, तो यहाँ भारत में आप ऐसा क्यों नहीं बन सकते।

डॉ. कलाम ने मुम्बई के पूर्व महा नगरपालिका आयुक्त तिनायकर के हवाले से कहा : अमीर लोग अपने कुत्तों को सड़कों पर घुमाने निकलते हैं और जहाँ–तहाँ गंदगी बिखेर कर आ जाते हैं और फिर वही लोग सड़कों पर गंदगी के लिए प्रशासन पर दोष मढ़ते हैं।

क्या वे उम्मीद करते हैं कि वे जब भी बाहर निकलेंगे तो एक अधिकारी झाड़ू लेकर उनके पीछे–पीछे चलेगा और जब उनके कुत्ते को हाजत लगेगी तो वह एक कटोरा उसके पीछे लगाएगा।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

राष्ट्रपति ने मिसाल दी कि अमेरिका और जापान में कुत्ते के मालिक को उसकी छोड़ी हुई गंदगी साफ़ करनी पड़ती है। फिर शासन व्यवस्था के बारे में डॉ. कलाम ने कहा कि ''हम सरकार चुनने के लिए वोट डालने जाते हैं और अपनी सारी जिम्मेदारियाँ भी वहीं उलट आते हैं। हम आराम से बैठकर सोचते हैं कि अब हमारे नाज़-नखरे उठाए जाएँगे। हम सोचते हैं कि हमारा हर काम सरकार करेगी और हम फर्श पर पड़ा हुआ रद्दी कागज उठाकर उसे कूड़ेदान में डालने की ज़हमत तक नहीं उठाएँगे। रेलवे हमारे लिए साफ़-सुथरे बाथरूम देगी और हम उन्हें ठीक से इस्तेमाल करना भी नहीं सीखेंगे।'' डॉ. कलाम ने कहा कि : समाज की ज्वलंत समस्याओं पर भी हमारा ऐसा ही रवैया है। हम ड्रॉइंग रूम में बैठकर दहेज के खिलाफ गला फाड़ते हैं और अपने घर में इसका उलटा करते हैं। और बहाना देखिए-पूरी व्यवस्था ही खराब है। अगर मैं अपने बेटे कि शादी में दहेज नहीं लूँगा तो इससे कौन-सा बड़ा फर्क पड़ जाएगा।

राष्ट्रपति ने इस संदेश में पूछा - इस व्यवस्था को बदलेगा कौन? यह व्यवस्था है किसकी? आप आसानी से कह देंगे व्यवस्था में शामिल हैं हमारे पड़ौसी, आसपास के घर, अन्य शहर, अन्य समुदाय और सरकार। लेकिन मैं और आप कतई नहीं। जब कुछ अच्छा करने की हमारी बारी आती है, तो हम अपने परिवार को सुरक्षित कवच में घेर लेते हैं। दूसरे देशों की ओर निहारते हैं और इंतजार करते हैं कि कोई मिस्टर क्लिन आएगा, अपने जादुई हाथों से चमत्कार करेगा और ऐसा नहीं होता तो आप देश छोड़कर ही चल देंगे। उन्होंने कहा - हम अपने भय से भागकर अमेरिका जाएँगे। उनके गौरव का गुणगान करेंगे। व्यवस्था की प्रशंसा करेंगे और जब न्यूयॉर्क असुरक्षित हो जाएगा तो आप इंग्लैंड भाग जाएँगे। इग्लैंड में बेरोजगारी होगी तो खाड़ी चले जाएँगे और जब खाड़ी में युद्ध छिड़ जाएगा तो आप माँग करेंगे कि भारत सरकार हमें बचाकर घर ले जाए। हर कोई देश को गाली देने को तैयार है, पर व्यवस्था में सकारात्मक योगदान के बारे में नहीं सोचता। क्या हमने अपनी आत्मा को पैसे के हाथों गिरवी रख दिया है? डॉ. कलाम व्यवस्था में नागरिकों के सकारात्मक योगदान के लिए देशवासियों को झकझोर देते हैं। श्रेष्ठ नागरिक बनने की शुरुआत करने की अपील करते हुए संदेश में कहा गया है कि अगर आप वाकई संदेश से सहमत हैं तो इसे अपने दस और साथियों को ई-मेल से भेजिए।

परिवार के सभी बड़ों को मेरा प्रणाम।

तुम्हारा मित्र,

किरण।

शब्दार्थ

वाकई यथार्थ, हकीकत में **रश्क** ईर्ष्या **रवैया** परिपाटी **तकरीबन** प्रायः, लगभग **पुर्जे** टुकड़े **मिसाल** उदाहरण **हिमाकत** मूर्खता, बेवकूफी **झकझोरना** झटका देना, झंझोरना

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

अभ्यास

प्रश्न 1. प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए :

(1) यह पत्र किसने किसको लिखा है?

(2) पत्र लिखने वाले का पता क्या है?

(3) पत्र में क्या वर्णन किया है?

(4) पत्र के अंत में किरण ने हर्ष के परिवारजनों को क्या कहा है?

प्रश्न 2. प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए :

(1) हम दूसरे देशों में उनके कायदे-कानून का पालन करते हैं, लेकिन अपने देश में क्यों नहीं?

(2) हमारे देश की स्वच्छता की जिम्मेदारी किसकी है?

(3) हमारे देश के विकास में कौन-कौन सी समस्याएँ बाधक हैं?

(4) देश के प्रति हमारा क्या फ़र्ज़ है?

प्रश्न 3. शब्दो को उचित क्रम में रखकर अर्थपूर्ण वाक्य बनाइए :

(1) में – सफ़ाई – खुदाई – है।

....

(2) मेरा – महान – भारत।

....

(3) लेना – और – दहेज – पाप – देना – है।

....

(4) आदर्श – भारत को – आओ – बनाएँ – मिलकर – राष्ट्र।

....

प्रश्न 4. ऐसे व्यवहार की चर्चा कीजिए जिससे हम देश में अव्यवस्था खड़ी करते हैं एवं देश के विकास में बाधा डालते हैं।

प्रश्न 5. 'दहेज एक दूषण' इस विषय पर कारण सहित अपना मत दीजिए।

प्रश्न 6. हम स्वयं कैसे अपने कर्तव्य का पालन करके आदर्श नागरिक बन सकते हैं एवं भारत को आदर्श राष्ट्र बनाने में योगदान दे सकते हैं, इस विषय पर दिए गए प्रारूप के आधार पर अपने मित्र को पत्र लिखकर अपने विचार बताएँ।

....
....] 1. अपना पता
....

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

..... 2. दिनांक

..... 3. संबोधन

..... 4. अभिवादन

.....

..... 5. पत्र लिखने का कारण

.....

.....

..... 6. पत्र का विषयवस्तु

.....

.....

.....

.....

..... 7. अन्य समाचार

.....

.....

..... 8. समाप्ति

.....

.....

..... 9. संबंध

..... 10. नाम

स्वाध्याय

प्रश्न 1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) डॉ. कलाम ने इस ई-मेल से हमें क्या सीख दी है?

(2) दूसरे देशों में और अपने देश में हम जो व्यवहार करते हैं, उसमें क्या अंतर है ?

(3) दूसरे देशों में लोग स्वच्छता के प्रति कैसे जागरूक हैं?

(4) अपने देश की व्यवस्था को हम कैसे सुधार सकते हैं ?

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रश्न 2. जीवन में सफ़ाई का महत्त्व समझाते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

प्रश्न 3. निम्नलिखित वाक्यों के काल पहचानिए :

(1) मैं क्रिकेट खेलता हूँ।

(2) मैं कल अंबाजी गया था।

(3) कोई गाना गा रहा है।

(4) आज ठंड ज्यादा होगी।

(5) कल हम स्कूल से प्रवास जा रहे हैं।

(6) परसों कश्मीर में हिम वर्षा हुई।

प्रश्न 4. काल परिवर्तन कीजिए :

(1) मैं बाजार गया। (भविष्यकाल)

(2) मंदिर में पूजा होगी। (भूतकाल)

(3) सिमला में हिम वर्षा हुई। (भविष्यकाल)

(4) मैंने पढ़ाई की। (वर्तमानकाल)

भाषा-सज्जता

- **पढ़िए और समझिए :**

(1) **एक म्यान में दो तलवार नहीं समा सकती :** एक वस्तु के दो समान अधिकारी नहीं हो सकते।

यदि दो महत्त्वाकांक्षी लीडर एक पार्टी में रहेंगे, तो सदा टकराव की स्थिति रहेगी क्योंकि एक म्यान में दो तलवार नहीं समा सकतीं।

(2) **खोदा पहाड़ निकला चूहा :** अधिक मेहनत, लाभ कम।

ज्यादा मुनाफ़े के लिए उसने बड़ी होटल बनाई थी। पर पूरे साल में उसको नाममात्र का ही मुनाफ़ा हुआ। इसी को कहते हैं - खोदा पहाड़ निकला चूहा।

(3) **जिसकी लाठी उसकी भैंस :** शक्तिशाली की ही जीत होती है।

सेठ जी ने अपने निर्दोष नौकर पर चोरी का इल्ज़ाम लगाकर उसे दो साल के लिए जेल भिजवा दिया। किसी ने ठीक ही कहा है - जिसकी लाठी उसकी भैंस।

उपर्युक्त अभ्यास के आधार पर निम्नलिखित कहावतों के अर्थ देकर वाक्य में समझाइए :

(1) चाँद पर थूका मुँह पर गिरा।

(2) छोटा मुँह बड़ी बात।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

(3) दूर के ढोल सुहावने।
(4) दोनों हाथों में लड्डू।
(5) साँप भी मरे लाठी भी न टूटे।

योग्यता विस्तार

- डॉ. कलाम के 'अगनपंख', 'विज़न ट्वेन्टी-ट्वेन्टी' पुस्तकें पढ़िए।
- डॉ. कलाम के प्रेरक प्रसंग पढ़िए।
- बच्चों से हस्तलिखित पत्र, हस्तप्रत आदि एकत्रित करवाकर उसका पठन करवाइए एवं उसका महत्त्व समझाइए।
- किसी महापुरुष के हस्तलिखित पत्रों का छात्रों से पठन करवाइए एवं पत्र लिखने का महत्त्व एवं आशय स्पष्ट कीजिए।
- डॉ. कलाम का यह ई-मेल आपके अन्य दोस्तों एवं रिस्तेदारों को ई-मेल से भेजिए।

◆

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

5 धरती की शान

– पंडित भरत व्यास जी

पंडित भरत व्यास जी हमारे जाने माने गीतकार थे। आपका जन्म १८ दिसम्बर, १९१८ में राजस्थान के चुरु गाँव में हुआ था। आपने कई गीतों की रचना की है। यह गीत सन् १९५८ में आई हिन्दी फिल्म 'गाँव गौरी' से लिया गया है।

इस गीत में कवि ने मनुष्य को सबसे बुद्धिमान बताया है। मनुष्य ने अपनी बुद्धि और कठोर परिश्रम के आधार पर जल, स्थल और आकाश में कई उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। मनुष्य प्रकृति को बहुत सीमा तक अपने अनुकूल ढालने में सफल हुआ है। मनुष्य के लिए कोई भी कार्य असंभव नहीं है। मनुष्य जो चाहे वह कर सकता है, यही भाव काव्य में अंतर्निहित है और यही बात मनुष्य की महानता का प्रमाण है।

धरती की शान तू भारत की संतान,
तेरी मुट्ठियों में बंद तूफान है रे,
मनुष्य तू बड़ा महान है॥

तू जो चाहे पर्वत पहाड़ों को फोड़ दे,
तू जो चाहे नदियों के मुख को भी मोड़ दे,
तू जो चाहे माटी से अमृत निचोड़ दे,
तू जो चाहे धरती को अम्बर से जोड़ दे,
अमर तेरे प्राण, मिला तुझको वरदान
तेरी आत्मा में स्वयं भगवान है रे ॥1॥

नयनों में ज्वाल, तेरी गति में भूचाल,
तेरी छाती में छिपा महाकाल है,
पृथ्वी के लाल तेरा हिमगिरि सा भाल,
तेरी भृकुटी में तांडव का ताल है,
निज को तू जान, जरा शक्ति पहचान
तेरी वाणी में युग का आह्वान है रे ॥2॥

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

धरती सा धीर, तू है अग्नि सा वीर,
तू जो चाहे तो काल को भी थाम ले,
पापों का प्रलय रुके, पशुता का शीश झुके,
तू जो अगर हिम्मत से काम ले,
गुरु सा मतिमान, पवन सा तू गतिमान,
तेरी नभ से भी ऊँची उड़ान है रे ॥3॥

शब्दार्थ

शान वैभव, गौरव **मुख** प्रवाह, वहेण (गुज.) **धरती** पृथ्वी, धरा **अम्बर** आकाश, नभ **ज्वाल** अग्नि **भूचाल** भूकंप **भाल** ललाट, कपाल **भृकुटी** भौंह, **काल** समय **मतिमान** बुद्धिमान

अभ्यास

प्रश्न 1. काव्य को डी.वी.डी., मोबाइल जैसे साधनों के माध्यम से सुनाकर उसका व्यक्तिगत और सामूहिक गान करवाना।

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) आप क्या-क्या कर सकते हैं?

(2) विविध क्षेत्रों में मनुष्य ने क्या-क्या प्रगति की है?

(3) अन्य जीवों से मनुष्य महान कैसे है?

(4) काव्य में उल्लिखित प्रकृति के तत्त्व बताइए और उनके समानार्थी शब्द दीजिए।

प्रश्न 3. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए और शब्दकोश में से उनके अर्थ ढूँढ़कर बताइए :

(1) हृष्टपुष्ट (2) संवाद (3) शीघ्र (4) जौहर (5) अजनबी

(6) वेदांत (7) मुक़द्दर (8) शागिर्द (9) वृत्ति (10) स्पष्ट

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यपंक्तियों का भावार्थ बताइए :

(1) पृथ्वी के लाल तेरा हिमगिरि सा भाल
तेरी भृकुटी में तांडव का ताल है।

(2) गुरु सा मतिमान, पवन सा तू गतिमान
तेरी नभ से भी ऊँची उड़ान है रे।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

स्वाध्याय

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) मनुष्य क्या-क्या कर सकता है?

(2) मनुष्य युग का आह्वान कैसे कर सकता है?

(3) मनुष्य यदि हिम्मत से काम ले तो क्या हो सकता है?

प्रश्न 2. उचित जोड़ मिलाइए :

अ	ब
(1) मनुष्य की आत्मा में	(1) युग का आह्वान है।
(2) मनुष्य के नयनों में	(2) महाकाल है।
(3) मनुष्य की भृकुटी में	(3) स्वयं भगवान है।
(4) मनुष्य की वाणी में	(4) भूचाल है।
(5) मनुष्य की छाती में	(5) ज्वाल है।
	(6) तांडव का ताल है।

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प के सामने ✓ कीजिए :

(1) मनुष्य चाहे तो काल को....

☐ थाम ले। ☐ रोक ले। ☐ जान ले।

(2) मनुष्य चाहे तो धरती को....

☐ फोड़ दे। ☐ युग का आह्वान दे। ☐ अम्बर से जोड़ दे।

(3) मनुष्य चाहे तो माटी से....

☐ मुख को भी मोड़ दे। ☐ अमृत निचोड़ दे। ☐ दुनिया बदल दे।

प्रश्न 4. नीचे दिए गए शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

जैसे कि : धरती × आकाश

वाक्य : पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं।

(1) अमृत :

(2) वरदान :

(3) ऊँचा :

(4) पाप :

(5) जीवन :

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रश्न 5. नीचे दिए गए शब्दों को शब्दकोश के क्रम में रखकर उनका अर्थ शब्दकोश में से जानिए और लिखिए :

तूफ़ान, वरदान, नयन, शीश, क्षति, आईना, झंकार

योग्यता विस्तार

- **निम्नलिखित कविता का गान करवाइए :**

नदियाँ न पीए कभी अपना जल
वृक्ष न खाए कभी अपना फल
अपने तन से, मन से, धन से
देश को दे दे दान रे! (2)
वो सच्चा इन्सान रे!! (2)

चाहे मिले सोना-चाँदी
चाहे मिले रोटी बासी
महल मिले बहु सुखकारी
चाहे मिले कुटिया खाली
प्रेम और संतोष भाव से
करता जो स्वीकार रे! (2)
वो सच्चा इन्सान रे!! (2)

चाहे करे निंदा कोई
चाहे कोई गुणगान करे
फूलों से सत्कार करे
काँटों की चिंता न करे
मान और अपमान दोनों
जिसके लिए समान रे! (2)
वो सच्चा इन्सान रे!! (2)

- **'तेरी नभ से भी ऊँची उडान है' के संदर्भ में निम्नलिखित पंक्तियाँ पढ़कर सोचिए :**

(1) आजमाना चाहते हो मेरी उड़ान को,
तो ऊँचा कर लो अपने आसमान को।

(2) तू थक के न बैठ कि तेरी उड़ान अभी बाकी है,
जमीं खत्म हुई तो क्या, आसमान अभी बाकी है।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

6 मालवजी फौज़दार

प्रस्तुत एकांकी में एक छोटे बालक मालवजी फौज़दार की निर्भयता, प्रतिज्ञापालन, कर्तव्य भावना और मातृप्रेम प्रस्तुत किया गया है। साथ में मराठा साम्राज्य के महाराजा छत्रपति शिवाजी की उदारता और राष्ट्रप्रेम को उजागर किया गया है। शिवाजी महाराज के सेनानायक तानाजी की स्वामीभक्ति को भी प्रस्तुत किया गया है।

(पात्र : शिवाजी, मालवजी, तानाजी, दरबान)

पहला दृश्य

स्थान – शिवाजी का शयन-कक्ष।

[एक सुसज्जित कमरे में शिवाजी एक पलंग पर सो रहे हैं। सामने भवानी का चित्र लटक रहा है। पास ही किशोर आयु का मालवजी हाथ में नंगी तलवार लिए हुए शिवाजी की हत्या करने के लिए तत्पर है। शिवाजी एक भयानक स्वप्न देखकर अचानक आँखे मलते उठ बैठते हैं। मालवजी उन पर वार करता है। पीछे से तानाजी आकर उसका हाथ पकड़ लेते हैं। शिवाजी प्रेम भरी दृष्टि से तानाजी की ओर देखते हैं।]

शिवाजी – (आश्चर्य करते हुए) तुम कौन हो, वत्स?

बालक – (वीरतापूर्वक) मेरा नाम मालवजी है।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

शिवाजी – (गंभीर स्वर में) मालवजी, जानते हो, इस अपराध के लिए तुम्हें क्या दंड भोगना होगा?

मालवजी – (निर्भयतापूर्वक) मृत्यु।

शिवाजी – मृत्यु-दंड पाने से पहले तुमको मुझे एक बात बतानी होगी।

मालवजी – वह क्या?

शिवाजी – तुम्हारी बातों और चाल-ढाल से जान पड़ता है कि तुम वीर पुत्र हो, सत्यवादी हो। इससे मुझे आशा है कि तुम झूठ नहीं बोलोगे।

मालवजी – जो बात सत्य है, उसे मैं अवश्य बता दूँगा। इसमें छिपाने की क्या बात है?

शिवाजी – युवक! मुझे मार कर क्या मराठा साम्राज्य के मालिक बनना चाहते थे?

मालवजी – नहीं।

शिवाजी – क्या मैंने तुम्हें कोई हानि पहुँचाने की चेष्टा की थी? क्या मैंने कभी राष्ट्र की प्रतिष्ठा पर धब्बा लगाया है?

मालवजी – महाराज! यह सब कुछ नहीं।

शिवाजी – फिर तुम्हारे मन में क्या बात थी?

मालवजी – यदि आप पूछते ही हैं तो सुनिए। मेरे पिता आपकी सेना में सिपाही थे। उन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। आज उनको मरे हुए दो वर्ष हो गए। इस समय घर में मैं और मेरी माता, केवल दो प्राणी हैं। आज तीन महीनों से हम दोनों को पेट-भर अन्न मिलना दूभर हो गया है। इस संसार में मनुष्य सब कुछ सहन कर लेता है, परन्तु पेट की भूख सहन नहीं कर सकता। मैं इसी विचार में बैठा था कि एक सैनिक ने आकर मुझसे कहा कि यदि

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

तुम शिवाजी का वध कर दो, तो मैं तुम्हें धन दूँगा। महाराज! इसी लालच में पड़कर मैं आपकी हत्या करने के लिए यहाँ आया था। किन्तु अचानक उसी समय आपकी आँखें खुल गईं।

शिवाजी – जब तुम्हें इतना कष्ट था, तब तुम मेरे पास क्यों नहीं आए?

मालवजी – महाराज! मेरे आने की क्या आवश्यकता थी? जिस वीर सैनिक ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राण गँवा दिए उसके परिवार के पालन-पोषण की चिन्ता करना तो आपका ही कर्तव्य था।

(बालक की निडरता को मन ही मन सराहते हुए दिखावटी रोष से)

शिवाजी – तानाजी, इस बालक को ले जा कर जेलखाने में बन्द कर दो। कल इसे मृत्यु-दंड दिया जाएगा।

मालवजी – मृत्यु-दंड पाने से पहले एक बात की भीख माँगता हूँ।

शिवाजी – वह क्या?

मालवजी – मरने से पहले मैं अपनी पूजनीय माता का एक बार दर्शन करना चाहता हूँ।

शिवाजी – यदि तुम अपनी माता के दर्शन करके न लौटे तो?

मालवजी – मैं वीर पुत्र हूँ। झूठ बोल कर मृत्यु से बचना नहीं चाहता। प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं माता के दर्शन करके अवश्य जल्दी लौट आऊँगा।

शिवाजी – (बालक की वीरता की मन ही मन सराहना करते हुए) अच्छा जाओ। यही देखना है। (मालवजी का प्रस्थान)।

शिवाजी – ओह! इस बालक में वीरता फूट-फूट कर भरी है। साथ ही यह अपनी माता का भक्त भी है। ऐसे ही बालक अपने माता-पिता की लाज रखते हैं। तानाजी तुम्हारी क्या राय है?

तानाजी – महाराज, आप क्या कहते हैं? मैं तो इसकी वीरता और साहस पर मुग्ध हूँ।

शिवाजी – तानाजी! जानते हो, मैं इस बालक के साथ क्या व्यवहार करूँगा।

तानाजी – नहीं महाराज।

शिवाजी – मैं इसकी परीक्षा लेने के पश्चात् इसे मृत्यु-दंड से मुक्त करके अपनी सेना में भरती करूँगा। मेरा विश्वास है कि मातृभूमि की सेवा में यह बालक कोई कसर नहीं रखेगा।

तानाजी – घातक के साथ इतनी दया! धन्य हैं!

शिवाजी – तानाजी, मारनेवाले से बचाने वाले में अधिक शक्ति होती है। आज तुमने हमारी जान बचाई। इसलिए मैं तुम्हारा आभारी रहूँगा।

तानाजी – महाराज, आप यह क्या कहते हैं! मैं तो आपका दास हूँ। स्वामी की रक्षा करना दास का कर्तव्य है। इसमें आभारी होने की क्या बात है?

शिवाजी – तानाजी, तुम धन्य हो! तुम्हारे ही जैसे सेनानायकों पर भारतमाता गर्व करती है। अच्छा, थोड़ी देर विश्राम करो।

तानाजी – (प्रणाम करता है) जो आज्ञा महाराज! (प्रस्थान)

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

दूसरा दृश्य

[**स्थान :** शिवाजी के दुर्ग का कमरा। दोपहर का समय]

शिवाजी – (तानाजी की ओर मुँह फेर कर) तानाजी न जाने क्यों मेरे हृदय में उस बालक के प्रति अगाध प्रेम उमड़ रहा है। जब से वह मेरे सामने से गया है, तब से मैं उसी के बारे में सोच रहा हूँ।

तानाजी – महाराज, यह उसकी वीरता और साहस का फल है।

शिवाजी – तुम सच कहते हो। मैं उसकी वीरता पर मुग्ध हूँ। इतनी छोटी अवस्था और इतना साहस! जिस शिवाजी के नाम से मुगल-सेना काँपती है, उसके सामने एक बालक का इतना साहस!

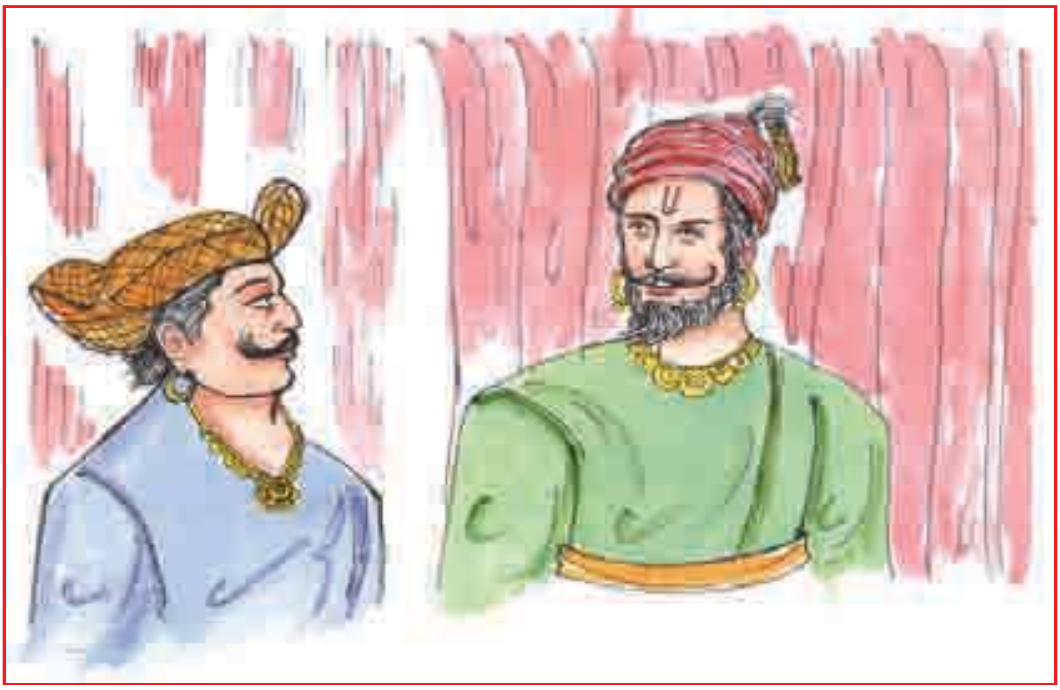

तानाजी – इसमें भी क्या कोई सन्देह है?

दरबान – (प्रवेश कर) महाराज, एक बालक आप से मिलना चाहता है।

शिवाजी – उसे बुला लाओ।

(दरबान के साथ मालवजी का प्रवेश)

मालवजी – महाराज, आपका अपराधी मृत्यु-दंड पाने के लिए प्रस्तुत है।

शिवाजी – वीर-पुत्र तुम इतनी जल्दी कैसे आ गए?

मालवजी – महाराज, आपसे विदा होकर मैं घर पहुँचा। माता बड़ी देर से मेरी प्रतीक्षा कर रही थी। देखते ही उसने मुझे छाती से लगा लिया। उस समय मैंने सोचा कि मैं उससे सारा भेद कह दूँ परन्तु मेरी हिम्मत न पड़ी। अब मैं आपकी सेवा में उपस्थित हूँ। आप जो चाहें कर सकते हैं। परन्तु मरने से पहले मैं एक बात और माँगता हूँ।

शिवाजी – कहो, वह कौन सी बात है?

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

मालवजी – मेरी माँ की देखरेख का समस्त भार आप अपने ऊपर ले लीजिए।

शिवाजी – वीर पुत्र, तुम सचमुच क्षत्रियपुत्र हो। शिवाजी वीरों का आदर करता है, उनकी हत्या नहीं करता। अब तक मैं तुम्हारी परीक्षा ले रहा था। वत्स, तुम मेरी परीक्षा में सफल हुए। मैं तुम्हारा अपराध क्षमा करता हूँ।

मालवजी – (शिवाजी के पैरों में गिर कर) आप धन्य हैं।

शिवाजी – (मालवजी को छाती से लगाकर) वीर पुत्र जिस प्रकार तुम अपनी माता के दु:ख से दु:खी होकर व्याकुल हो रहे हो, उसी प्रकार मैं भी दु:खी हूँ। रात-दिन मैं इसी चिंता में रहता हूँ कि किस प्रकार भारत-माता का दु:ख दूर करूँ।

मालवजी – महाराज, यह शरीर आपका है। आपने मुझे जीवन दान दिया है। मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि जब तक इस शरीर में जान है, मैं कभी मातृभूमि की सेवा से पीछे न हटूँगा।

शिवाजी – वीर-पुत्र! मैं तुमसे यही आशा करता हूँ।

शब्दार्थ

तत्पर तैयार **कष्ट** दु:ख **कर्तव्य** फ़र्ज़ **मुग्ध** मोहित **पर्याप्त** काफ़ी **वत्स** बालक **दूभर** कठिन **दायित्व** जिम्मेदारी **प्रतिष्ठा** सम्मान **चेष्टा** प्रयत्न **अगाध** गहरा, अपार

मुहावरे

प्राण न्योछावर करना जीवन समर्पित करना **वध करना** हत्या करना, मार डालना **हिम्मत न पड़ना** बात न कर सकना **जीवन दान देना** जिंदा जाने देना

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

अभ्यास

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए :

(1) मालवजी शिवाजी का वध करने के लिए क्यों तैयार हो गया?

(2) अपनी हत्या के बारे में शिवाजी ने कौन-कौन सी शंकाएँ व्यक्त की?

(3) तुम इस एकांकी को और कौन-सा शीर्षक देना चाहोगे?

(4) शिवाजी बालक को सेना में क्यों भर्ती करना चाहते थे?

(5) बालक अपनी माँ का पालन-पोषण करने की जिम्मेदारी शिवाजी को क्यों सौंपता है?

प्रश्न 2. अंदाज अपना-अपना :

देश की रक्षा के लिए लड़नेवाला सैनिक युद्ध में आहत हुआ है, वह अंतिम साँसें ले रहा है - वह क्या सोचता होगा? बताइए।

प्रश्न 3. नीचे दिए गए शब्द इकाई के जिन-जिन वाक्यों में प्रयोग हुआ हो, उन वाक्यों को पढ़िए :

(1) दृष्टि (2) सत्यवादी (3) प्रतिष्ठा (4) न्योछावर (5) दर्शन

(6) झूठ (7) विश्वास (8) मुग्ध (9) चिंता (10) हटूँगा

प्रश्न 4. इस एकांकी का नाट्यीकरण कीजिए।

स्वाध्याय

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) मालवजी शिवाजी का वध करने के कौन से दो कारण बताता है?

(2) कष्ट होने पर भी मालवजी शिवाजी के पास क्यों नहीं गये?

(3) मृत्युदंड के पहले बालक ने कौन-सी भीख माँगी?

(4) शिवाजी बालक की परीक्षा लेने के बाद क्या करना चाहते थे?

प्रश्न 2. निम्नलिखित उक्ति कौन, किसे कहता है - लिखिए :

(1) 'जब तुम्हें इतना कष्ट था, तब तुम मेरे पास क्यों नहीं आये?'

(2) 'मरने से पहले मैं अपनी पूजनीय माता का एक बार दर्शन करना चाहता हूँ।'

(3) 'मैं तो इसकी वीरता और साहस पर मुग्ध हूँ।'

(4) 'तुम्हारे ही जैसे सेनानायकों पर भारत माता गर्व करती है।'

(5) 'महाराज, एक बालक आप से मिलना चाहता है।'

(6) 'मैं तुमसे यही आशा करता हूँ।'

(7) 'महाराज, यह शरीर आपका है।'

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रश्न 3. निम्नलिखित परिच्छेद का मातृभाषा में अनुवाद कीजिए :

पुत्र, जिस प्रकार तुम अपनी माता के दु:ख से दु:खी होकर व्याकुल हो रहे हो, उसी प्रकार मैं भी दु:खी हूँ। रात-दिन मैं इसी चिंता में रहता हूँ कि किस प्रकार भारतमाता का दु:ख दूर करूँ।

महाराज, यह शरीर आपका है। मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि जब तक इस शरीर में जान है, मैं कभी मातृभूमि की सेवा से पीछे न हटूँगा।

प्रश्न 4. उदाहरण आधारित नीचे दिए गए शब्दों को उचित क्रम में रखकर अर्थपूर्ण वाक्य बनाइए :

उदाहरण : छोड़कर, पीसने, अपना, बापू, लगे, काम, आटा

वाक्य : बापू अपना काम छोड़कर आटा पीसने लगे।

(1) देखते, दृष्टि, से, प्रेम, शिवाजी, और, उसकी, रहे।

(2) बात, सत्य है, जो, उसे, अवश्य, बता, मैं, दूँगा।

(3) क्या, तुम्हारे, फिर, मन में, बात, थी?

(4) प्राण, न्योछावर, अपने, देश की, लिए, रक्षा के, उन्होंने, कर, दिए।

प्रश्न 5. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण छाँटकर उनके भेद लिखिए :

(1) परिश्रमी छात्र कभी असफल नहीं होते।

(2) अब्दुल बीस किलो आटा लाया।

(3) राम ने पाँच मीटर कपड़ा खरीदा।

(4) पचीस छात्रों ने सही उत्तर दिए।

(5) दीपावली पर हमने बहुत मिठाई खरीदी।

(6) रेश्मा के पास तीन किताबें हैं।

(7) कुछ लड़के बगीचे में खेल रहे हैं।

(8) माँ ने चाय में थोड़ा दूध डाला।

(9) वे लड़के शोर मचा रहे हैं।

(10) आप किस आदमी की बात कर रहे हैं?

योग्यता विस्तार

- देश के स्वातंत्र्य संग्राम में अपना योगदान देनेवाले कम से कम दस देशभक्तों का परिचय प्राप्त कीजिए।
- गाँधी जी, सरदार पटेल और शहीद भगतसिंह जैसे देशनेताओं के जीवन पर आधारित फिल्म या धारावाहिक देखिए।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

7 बढ़े कहानी

मनुष्य कहानी-प्रिय है। कहानी बनाना दिलचश्प और चुनौतीपूर्ण कार्य है। छात्र में कहानी निर्माण के प्रति रुचि उत्पन्न हो इसलिए यहाँ वैविध्यपूर्ण अभ्यास दिए गए हैं। कहानी विकास और विस्तार की प्रवृत्तियाँ कहानी लेखन की ओर नई दिशा देंगी।

कौआ और मुर्गी

कहानी पढ़ते जाइए और उसमें छूटे हुए शब्दों को खाली स्थान में भरते जाइए।

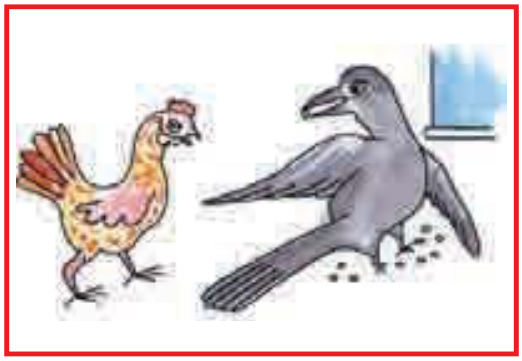

कौआ और मुर्गी दोनों एक घर में ..... थे।
..... दाना लाता था। ..... भी दाना लाती थी।
ऐसा करते-करते घर में बहुत ..... जमा हो गया।
एक दिन कौए ने ..... "मैं चावल लेने ..... हूँ,
तू घर का ..... बन्द रखना नहीं तो कोई
..... ले .....।"

थोड़ी देर बाद एक घोड़ा .....। .....ने कहा,
"मुर्गी-मुर्गी दरवाजा ..... और मुझे दाना दे।"
..... ने कहा, "नहीं, नहीं मैं दाना ....।"
..... ने कहा, "मुर्गी, मुझे ..... दे,
मुझे बहुत ..... लगी है।"
मुर्गी को दया आ गई। उसने सारे दाने ..... को दे दिए।

अब ..... सोचने लगी, कौआ दाना माँगेगा तो मैं कहाँ से दूँगी?
मुर्गी बहुत ..... गई।
जब कौआ ..... लेकर घर लौटा तब मुर्गी चक्की के पीछे छिप गई।
कौए ने आवाज़ लगाई, "....., ..., तू .....?"
डर के मारे ..... चुप रही।
एक आवाज़ भी नहीं निकाली।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

उस समय एक बिल्ली घर में आई।
बिल्ली ने कहा, ''मुर्गी, मुझे अपनी चक्की दे।
मुझे दाना ..... है।''
कौए ने कहा, ''मुर्गी तो घर में ..... है।
तू अपना ..... यहीं लाकर पीस ले।''
..... दाना ले आई और पीसने को बैठी।

बिल्ली ने दाना ..... में डाला।
मुर्गी ने चट उसे मुँह में भर लिया।
.....ने और दाना ..... में डाला।
.....ने उसे भी चट .....।
बिल्ली ..... लगी पर आटा न निकला।
ये देख बिल्ली बहुत ..... हुई।

.....ने सारी बात कौए को बताई।
कौआ भी बहुत चकित हुआ।
कौआ सोचने लगा दाना कहाँ होगा।
ढूँढ़ते-ढूँढ़ते उसने चक्की के पीछे .....।
वहाँ मुर्गी मुँह में ..... भरे बैठी थी।
उसका मुँह दाने से एकदम फूल गया था।

उसे देख कौआ हँसा।
उसे देख बिल्ली भी बहुत .....।
दोनों हँसे तो मुर्गी को भी जोर की ..... आई।
वो हँसी और उसके मुँह से सारे दाने निकल पड़े।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

अभ्यास

प्रश्न 1. ढाँचे के आधार पर कहानी का कथन और लेखन कीजिए :

एक बादशाह – वजीर की निवृत्ति के बाद उस पद के लिए उम्मीदवार बुलवाना – कठिन परीक्षा –तीन उम्मीदवारों का बादशाह तक पहुँचना – बादशाह का तीनों को एक ही सवाल – ''मेरी और तुम्हारी दाढ़ी में एक साथ आग लग जाए तो क्या करोगे?'' पहला – मैं पहले अपनी दाढ़ी की आग बुझाऊँगा। दूसरा – मैं पहले आपकी दाढ़ी की आग बुझाऊँगा। तीसरा – मैं एक हाथ से आपकी और दूसरे हाथ से अपनी दाढ़ी की आग बुझाऊँगा। – बादशाह – पहला स्वार्थी, दूसरा नादान एवं तीसरा बुद्धिमान है, अत: तीसरे को वजीर पद के लिए नियुक्त करना।

प्रश्न 2. कहानी आगे बढ़ाइए :

एक चरवाहा था। एक बार जंगल की ओर बकरियाँ चराने गया। चरवाहा पेड़ के नीचे बैठा था और एक बकरी अकेली थोड़े दूर निकल गई। वहाँ कहीं से एक भेड़िया आ पहुँचा। उसने बकरी से कहा, 'मैं तुझे खाऊँगा...

अब आप बकरी की जान बचाकर कहानी पूर्ण कीजिए।

प्रश्न 3. टी.वी., रेडियो, टेपरिकार्डर और मोबाइल फोन के माध्यम से कहानी दिखाना या सुनाना, बाद में बारी-बारी से कक्षा में कहानी का वर्णन करवाना।

प्रश्न 4. दिए गए ढाँचे के आधार पर कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए :

एक नाई – चमत्कारी मुर्गी मिलना – मुर्गी का रोज सोने का एक अंडा देना – नाई का अमीर हो जाना – शहर भर में चर्चा – इज्ज़त करना – सारा सोना एक साथ पाने की लालसा जागना – मुर्गी को मार डालना – अंडे मिलना बंद होना – लालच में सोने के सब अंडे खो देना – सीख।

प्रश्न 5. नीचे दिए गए चित्र के आधार पर कहानी का निर्माण कीजिए :

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

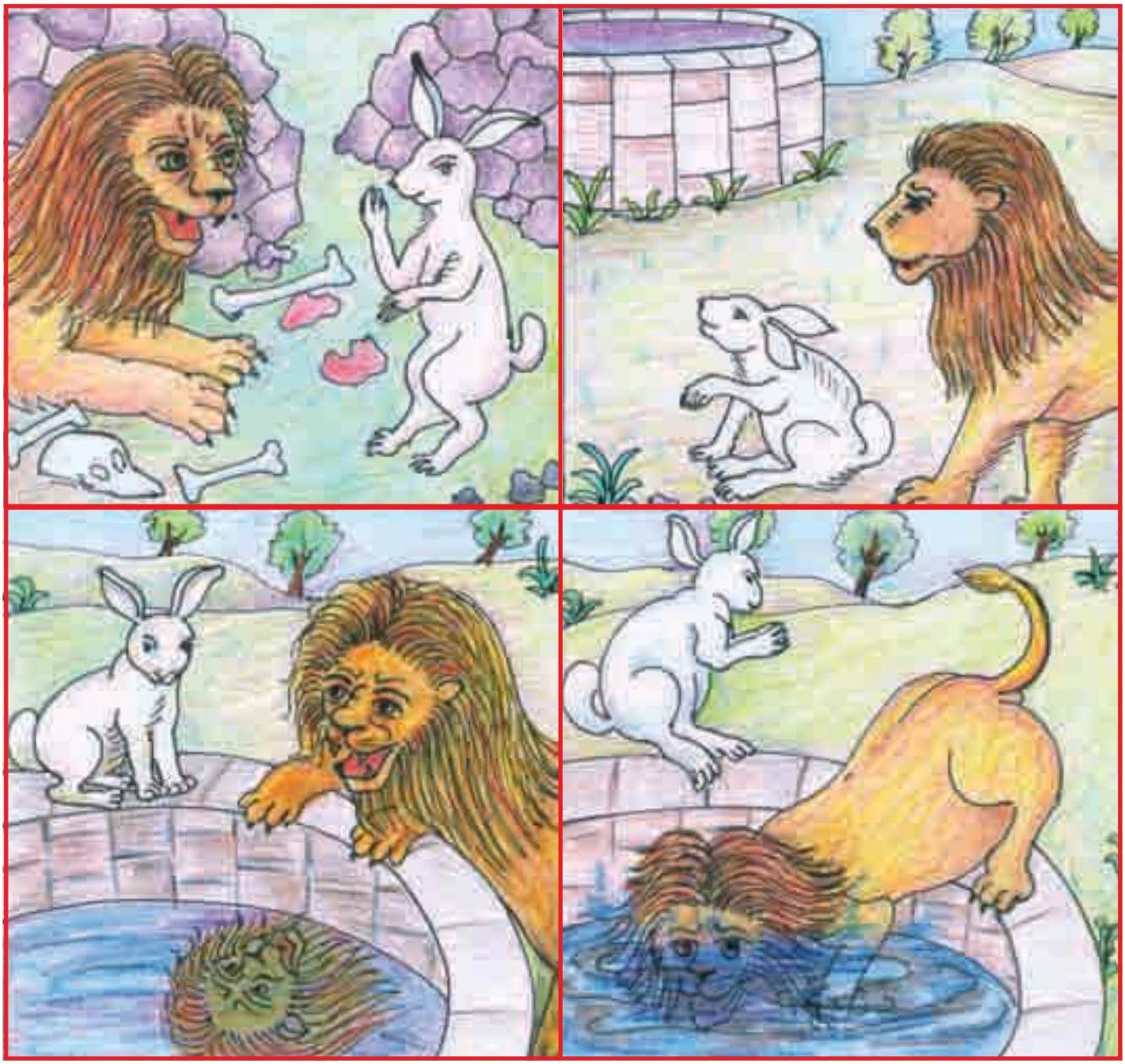

प्रश्न 6. 'प्यासा कौआ' कहानी में कौआ, मटका, पानी, पत्थर, धूप जैसे पात्र/वस्तुएँ हैं। ये सब कहानी की प्रतिक्रिया के रूप में 'अपनी प्यारी छोटी चाची' को जो बताते हैं, वह आप लिखिए।

जैसे :

धूप : आज गजब हो गया चाची, एक उड़ते कौए को हैरान करने की शरारत सूझी और मैं उस पर टूट पड़ी। पल में ही उसका गला सूखने लगा और जोरों की प्यास लगी। उसने एक पानी का मटका देखा, पर पानी खूब गहराई में था, उसकी पहुँच के बाहर था। मन ही मन सोचती थी – बच्चू! अब, क्या करोगे? पर वह बड़ा अक्लमंद निकला उसने पत्थर से पानी निकाला।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रश्न 7. शब्दों के भेद को जानकर उसका वाक्य में प्रयोग कीजिए :

आदि–आदी, अपेक्षा–उपेक्षा, अशक्त–आसक्त, गृह–ग्रह, बहार–बाहर, शौक़–शोक

स्वाध्याय

प्रश्न 1. कहानी आगे बढ़ाइए... कहानी को अपने आप लिखिए :

(1) एक दिन अकबर ने बीरबल से पूछा, 'बीरबल दुनिया में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन है?' बीरबल ने क्या कहा होगा? कहानी आगे बढ़ाइए।

(2) गेंद स्कूटर के साथ कहीं चली गई। उसके बाद गेंद के साथ क्या-क्या हुआ होगा। सोचकर बताओ।

प्रश्न 2. ढाँचे पर से कहानी लिखिए :

एक कुत्ता – मुँह में रोटी का टुकड़ा – छोटे पुल पर से जाना – पानी में अपनी परछाईं देखना – परछाईं को दूसरा कुत्ता समझना – रोटी का टुकड़ा छीन लेने के लिए भौंकना – अपना टुकडा गँवाना – सीख।

योग्यता विस्तार

- अपने स्कूल में आनेवाले सामयिकों में दी गई कहानियों का संग्रह कीजिए और प्रार्थना सभा में कहिए।
- पुस्तकालय से कहानी की किताबें लेकर पढ़िए। आपने जो कहानी पढ़ी हो उसको कक्षा में कहिए।

◆

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

8 मुस्कान के मोती

हास्य मनुष्य को जीवन-शक्ति प्रदान करता है, उसे दीर्घायु बनाता है। हँसी क्रोध, चिन्ता और क्षोभ को भगा देती है। साथ ही वह सुख और स्वास्थ्य की चाबी है।

हमारे चारों ओर भी हास्य की विपुल सामग्री उपलब्ध है, आवश्यकता सिर्फ इस बात की है कि हम उसको पहचानना सीखें। 'मुस्कान के मोती' के रूप में यहाँ ऐसे ही कुछ चुटकुले दिए गए हैं।

चिन्टु : तुमने राजू को चाँटा क्यों मारा?
पिन्टु : 15 दिन पहले उसने मुझे हिपोपोटेमस कहा था।
चिन्टु : तो फिर 15 दिनों के बाद आज ही क्यों मारा?
पिन्टु : मैंने कल ही सरकस में हिपोपोटेमस देखा, यार!

◆

पति : अब मैं भुलक्कड़ नहीं रहूँगा। मुझे सब याद रहेगा।
पत्नी : वह कैसे?
पति : देख, मैं एक नई किताब खरीद लाया हूँ, जिसका नाम है – 'याद रखने के एक हजार तरीके'।
पत्नी : हाय राम, यह किताब तो आप दसवीं बार ले आए।

◆

भिखारी : एक रुपया दे दो, साहब!
भरत : कल आना।
भिखारी : कल आने के चक्कर में इस मुहल्ले में मेरे लाखों रुपए फँसे हैं!

◆

शिक्षक : रमेश, 50 में से कितने कम करने से 5 बचेंगे?
रमेश : गुरुजी, 0 निकाल दीजिए ।

◆

सुशील : मेरे पिताजी जब माचिस की डिबिया खरीदते हैं, तो सारी तीलियाँ गिनते हैं कि कहीं कम तो नहीं?
गीता : मेरे पिताजी माचिस की डिबिया खरीदते हैं, तो सारी तीलियाँ जलाकर देखते हैं कि कोई तीली खराब तो नहीं!

◆

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

सुरेश : यह टायर कैसे पंचर हो गया?

महेश : एक काँच की बोटल पर चढ़ गया था।

सुरेश : क्या तुम्हें बोटल नहीं दिखाई दी?

महेश : क्या बताऊँ यार! वह तो उस आदमी की जेब में थी, जो मेरी कार के नीचे आ गया।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

हाथी पर शीर्षासन करते मनुष्य को आपने इस चित्र में देखा। अब हाथी की बारी।

हाथी मनुष्य के सिर पर शीर्षासन करना चाहता है।

आप हाथी की इच्छा पूर्ण कीजिए और बनाइए ऐसा ही एक चित्र।

जरूरत लगे तो इस चित्र को उलटा कर आप देख सकते हैं।

अभ्यास

प्रश्न 1. इकाई में दिए गए चुटकुलों को दो-दो के यूथ में अभिनय के साथ प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न 2. आप सुने हुए मज़ेदार चुटकुले सुनाइए।

प्रश्न 3. उदाहरण के अनुसार एक शब्द रखकर, चुटकुला बनाइए :

उदाहरण : **शिक्षक :** 'हेतल मिठाई नहीं खाती।' इसमें हेतल क्या है?

छात्र : .....मूर्ख

(1) **माँ :** बेटा, घर में कुत्ता कैसे आ गया?

बेटा : .....

(2) **दुकानदार :** आप कब से खड़े-खड़े चीज़ों को देख रहे हैं, आपको क्या चाहिए?

ग्राहक : .....

(3) **न्यायाधीश :** बैंक का दरवाजा तोड़ने का कारण बताओ।

चोर : .....

(4) एक भुलक्कड़ आदमी अपने इलाज के लिए अस्पताल गया और अपनी भूल जाने की बीमारी के बारे में बताया।

डॉक्टर : यह आदत आपको कब से है?

भुलक्कड़ : .....

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रश्न 4. 'फँसोगे फिर भी हँसोगे'। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' या 'ना' में दीजिए :

(1) क्या तुम्हारे घरवाले जानते हैं कि तुम मूर्ख हो?

(2) क्या तुम अकेले ही पागल हो?

(3) मेरे दिए हुए पाँच सौ रुपए खर्च कर दिए?

प्रश्न 5. क्या हमें 'हर प्रसंग और हर जगह पर हँसते रहना चाहिए?' कारण सहित बताइए।

स्वाध्याय

प्रश्न 1. आपके जीवन में कई प्रसंग ऐसे भी घटे होंगे, जब किसी गम्भीर या सरल बात पर आप या आप से जुड़े अन्य कोई कुछ बोले होंगे और हँसी का माहौल बन गया होगा। यही तो है चुटकुला! ऐसी बातें याद कीजिए और चुटकुले के रूप में लिखिए।

प्रश्न 2. भाषा की एक खूबी है – अनेकार्थी शब्द। अनेकार्थी शब्द के विभिन्न अर्थों का उपयोग कर चुटकुला बना सकते हैं। उदाहरण अनुसार चुटकुला बनाइए।

उदाहरण : शिक्षक : लंका को सोने की लंका क्यों कहते हैं?

छात्र : क्योंकि वहाँ कुम्भकर्ण जैसे सोनेवाले लोग रहते थे।

सोना – धातु (संज्ञा)

सोना – निद्रावस्था (क्रिया)

(1) बस (2) उत्तर (3) कर

प्रश्न 3. उदाहरण अनुसार चुटकुलों की पूर्ति कीजिए :

उदाहरण : **मालिक :** तू बहुत बड़ा गधा है।

नौकर : ऐसा कहकर मुझे शरमिन्दा न करें मालिक, बड़े तो आप हैं।

(1) पतली गली में दो आदमी आमने-सामने आ गए।

पहला आदमी : हटो बीच में से, मैं किसी गधे को रास्ता नहीं देता।

दूसरा आदमी : (रास्ते से हटते हुए) पर मैं तो .....।

(2) (न्यायालय में दो वकील)

पहला वकील : तू गधा है।

दूसरा वकील : तू तो बड़ा गधा है।

पहला वकील : तू बहुत बड़ा गधा है।

न्यायाधीश : ओर्डर, ओर्डर! आपको ध्यान रखना चाहिए कि मैं भी .....।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

(3) **लड़का :** मैं आपकी बेटी से शादी करना चाहता हूँ।

लड़की का पिता : मैं नहीं चाहता कि मेरी बेटी किसी गधे के साथ रहे।

लड़का : जी, मैं भी यही चाहता हूँ, इसलिए तो .....।

(4) **योगेश :** इस गधे को लेकर कहाँ जा रहा है?

रमेश : देखता नहीं। मेरे साथ गधा नहीं कुत्ता है।

योगेश : यार तू चुप कर। मैं कुत्ते से ही .....।

(5) (सामने से गधे आते देखकर)

पति : देखो, तुम्हारे रिश्तेदार आ रहे हैं।

पत्नी : जी हाँ, रिश्तेदार तो हैं ही, पर हुए तो आपसे शादी .....।

प्रश्न 4. निम्नलिखित कहानी पढ़कर, उनमें से अलग-अलग सात शब्द चुनकर उसे शब्दकोश के क्रम में रखिए :

एक कुत्ते ने एक खरगोश को देख लिया। शिकार के लिए उसके पीछे दौड़ा। खरगोश भी अपने प्राण बचाने के लिए तेजी से भागा। कुत्ता बराबर उसका पीछा करता रहा। अंत में उसकी साँस फूल गई। थक-हारकर उसने खरगोश का पीछा करना छोड़ दिया।

तभी एक चरवाहे ने उसकी ओर देखकर ताना कसा - ''एक छोटे-से खरगोश ने दौड़ में तुम्हें पछाड़ दिया।''

कुत्ते ने तपाक से जवाब दिया - ''महाशय! मैं अपने पेट के लिए दौड़ रहा था, वह अपने प्राणों के लिए दौड़ रहा था।''

सचमुच, जीत के कई कारण होते हैं।

योग्यता विस्तार

- **निम्नलिखित हास्य-कविता का पठन कीजिए :**

इतिहास की परीक्षा

मैंने लिखा पानीपत का, दूसरा युद्ध था सावन में
जापान जर्मनी बीच हुआ, अट्ठारह सौ सत्तावन में।

लिख दिया महात्मा बुद्ध महात्मा गांधी जी के चेले थे
गांधीजी के संग बचपन में वे आँख-मिचौली खेले थे।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

राणा प्रताप ने गौरी को, केवल दस बार हराया था
अकबर ने हिंद महासागर, अमरीका से मंगवाया था।

महमूद गजनवी उठते ही, दो घंटे रोज नाचता था
औरंगजेब रंग में आकर, औरों की जेब काटता था।

इस तरह अनेको भावों से, फूटे भीतर के फव्वारे
जो-जो सवाल थे याद नहीं, वे ही पर्चे पर लिख मारे

हो गया परीक्षक पागल सा, मेरी कॉपी को देख देख
बोला इन सब छात्रों में, बस होनहार है यही एक

औरों के पर्चे फेंक दिये, मेरे सब उत्तर छांट लिये
ज़ीरो नंबर दे कर बाकी के सारे नंबर काट लिये।

– **ओमप्रकाश 'आदित्य'**

- महापुरुषों के जीवन से जुड़े हास्य विनोद के प्रसंगों की किताबें पढ़िए।
- टी.वी. पर प्रसारित हास्य संबंधित कार्यक्रम देखिए एवं हास्यप्रसंग, चुटकुले, हास्य कविता कक्षा में सुनाइए।
- चुटकुले, हास्य-व्यंग्य कविताएँ और हास्य-व्यंग्य चित्रों का संकलन कीजिए।

◆

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

9 समय-सारिणी

समय बहुत क़ीमती है, समय का हमारे जीवन में बहुत ही महत्त्व है। समय के सदुपयोग के लिए जीवन में किसी भी काम का व्यवस्थित आयोजन करना अत्यंत आवश्यक है। समय की बचत के लिए ही हमारे रोजमर्रा के काम, पाठशाला, बस, रेल, हवाई जहाज आदि की समय सारिणी बनाई जाती है। यहाँ इस इकाई में ऐसी ही कुछ समय सारिणी अभ्यास के लिए रखी हैं।

एक आदर्श उपभोक्ता के रूप में हमारे क्या-क्या फर्ज़ एवं अधिकार बनते हैं इसकी जानकारी हेतु इस इकाई में कुछ भाव-पत्रक आदि जानकारी के हेतु रखे हैं।

बच्चो, आप रोज सुबह में जागने से लेकर सोने तक क्या-क्या प्रवृत्ति करते हैं, लिखिए –

क्रम	समय	प्रवृत्ति

आपके घर से कौन, कितने बजे और कहाँ जाते हैं? उसकी समय सारिणी बनाइए।

क्रम	नाम	समय	कहाँ (स्थल)

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

समय-सारिणी

राधनपुर बस डिपो, पालनपुर विभाग

प्लेटफार्म नं. 1 वाराही-रापर की ओर	समय	प्लेटफार्म नं. 2 भुज-मांडवी की ओर	समय	प्लेटफार्म नं. 3 समी-शंखेश्वर की ओर	समय	प्लेटफार्म नं. 4 दियोदर-भाभर की ओर	समय	प्लेटफार्म नं. 5 महेसाणा-अह. की ओर	समय
सुरत-रापर	5:30	राधनपुर-नारणसरोवर	7:30	राधनपुर-डाकोर	6:00	जुनागढ़-दियोदर	5:30	राधनपुर-मोडासा	5:00
राधनपुर-गांधीधाम	8:30	हारीज-भुज	8:00	राधनपुर-सुरत	6:30	राधनपुर-भाभर	6:00	राधनपुर-इडर	6:00
राधनपुर-मुन्द्रा	13:30	महेसाणा-नखत्राणा	9:00	दियोदर-आणंद	6:45	शंखेश्वर-थराद	7:30	सूईगाम-गांधीनगर	8:15
राधनपुर-रापर	14:00	विसनगर-भुज	10:45	दियोदर-अहमदाबाद	7:30	अहमदाबाद-दियोदर	9:00	राधनपुर-विसनगर	8:30
ऊँझा-अंजार	14:30	पाटन-मांडवी	11:15	राधनपुर-बेचराजी	8:30	माणसा-भाभर	10:00	राधनपुर-महेसाणा	10:00
दियोदर-रापर	15:00	पालनपुर-भुज	12:30	थराद-अहमदाबाद	9:15	अंजार-दियोदर	10:30	राधनपुर-अहमदाबाद	10:30
ऊँझा-रापर	15:30	अंबाजी-भुज	14:15	रापर-आणंद	10:00	राधनपुर-थराद	13:00	रापर-झालोद	10:30
राधनपुर-फतेगढ़	15:30	थराद-भुज	16:15	राधनपुर-सुरेन्द्रनगर	11:00	हारीज-भाभर	14:00	भुज-विसनगर	11:00
ऊँझा-रापर	16:00	अंबाजी-मांडवी	18:30	थराद-वलसाड	13:00	विजापुर-कटाव	17:30	दियोदर-अहमदाबाद	13:30
पाटन-रापर	16:45	बाड़मेर-भुज	22:00	मांडवी-अहमदाबाद	14:15	विसनगर-दियोदर	18:00	मांडवी-महेसाणा	15:15
झालोद-रापर	17:30	अंबाजी-माता का मढ़	22:45	भुज-शंखेश्वर	17:30	आणंद-दियोदर	20:15	भाभर-सुरत	20:30
वलसाड-रापर	20:45	वडनगर-भुज	23:00	राधनपुर-शंखेश्वर	17:45	वलसाड-थराद	23:00	रापर-सुरत	21:30

- काले रंग से लिखे रूट लोकल बस के हैं।
- लाल रंग से लिखे रूट एक्सप्रेस बस के हैं।

★ हर पूनम के लिए एक्स्ट्रा बस

- राधनपुर-चोटीला 6:00
- राधनपुर-अंबाजी 6:00
- राधनपुर-मोमाइमोरा 7:00
- राधनपुर-बेचराजी 7:00

(यह समय-सारिणी केवल छात्रों के अभ्यास हेतु है।)

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

निर्देशित समय-सारिणी के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) काले रंग से लिखित रूट का क्या मतलब है?

(2) लाल रंग से लिखित रूट का क्या मतलब है?

(3) अब बताइए प्लेटफार्म नं. 2 से जानेवाली 'अंबाजी-माता का मढ़' बस लोकल है या एक्सप्रेस?

(4) प्लेटफार्म नं. 4 से जानेवाली 'वलसाड-थराद' बस समय-सारिणी के अनुसार 23:00 बजे जायेगी, तब आपकी घड़ी के अनुसार क्या समय होगा?

(5) प्लेटफार्म नं. 5 पर कहाँ-कहाँ की बसें लगेंगी?

(6) एक्स्ट्रा बसें कब जाएँगी?

बसों की समय-सारिणी, इ-बुकींग (रिजर्वेशन), रोड मेप आदि की अधिक जानकारी के लिए गुजरात एस.टी.की वेबसाइट देखें -

www.gsrtc.in

- रेल गाड़ियों के बारे में कोई भी जानकारी के हेतु अपने फोन से 139 नंबर डायल कीजिए।
- रेल के बारे में अधिक जानकारी के लिए पश्चिम रेल की वेबसाइट देखें - www.wr.indianrailways.gov.in
- अगर आप हवाई उड़ान करना चाहते हैं, तो हवाई अड्डे, हवाई समय-सारिणी, ई-बुकींग आदि के लिए एयर इंडिया की वेबसाइट देखें - www.home.airindia.in

StarPlus

12:00 गुलाल	16:30 ससुराल गेंदा फूल
12:30 यह रिश्ता क्या कहलाता है	17:30 इस प्यार को क्या नाम दूँ
13:00 तेरे मेरे सपने	18:00 मन की आवाज़... प्रतिज्ञा
13:30 हमारी देवरानी	19:00 साथ निभाना साथिया
14:00 सपनों से भरे नैना	19:30 ससुराल गेंदा फूल
14:30 मर्यादा... लेकिन कब तक	20:00 इस प्यार को क्या नाम दूँ
15:00 नव्या	20:30 मायके से बंधी डोर
15:30 इस प्यार को क्या नाम दूँ	21:00 गुलाल
16:00 यह रिश्ता क्या कहलाता है	21:30 यह रिश्ता क्या कहलाता है
	22:00 नव्या
	22:30 मन की आवाज़... प्रतिज्ञा
	23:00 मर्यादा... लेकिन कब तक
	23:30 ससुराल गेंदा फूल

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

टेलीविज़न प्रसारण की समय-सारिणी

MAX

08:30 कसम पैदा करनेवाले की
12:00 हम हैं राही प्यार के
16:00 खाकी
20:00 मेरी जंग : वन मेन आर्मी

Discovery CHANNEL

10:00 फेक्टरी मेड
10:30 टाइम वर्ष
11:00 वाइल्ड एन्काउन्टर्स
12:00 क्युलिनरी एशिया
13:00 वाइल्ड डिस्कवरी
14:00 हाउ ध युनिवर्स वर्क्स
16:00 स्पीड ऑफ लाइफ
17:00 डिस्कवरी सोकेश
18:00 वाइल्ड डिस्कवरी
19:00 जोय ऑफ डिस्कवरी
21:00 फेक्टरी मेड
21:30 टाइम वर्ष
22:00 हाउ डु धे डु इट?
23:30 डेस्ट्रॉइड इन सेकन्ड्स

B4U Music

07:04 आवाज़ दे कहाँ है
08:30 लाइ इट आउट
09:00 मोर्निंग मसाला
10:15 लाफ इट आउट
11:00 सोलिड हिट्स
12:30 आवाज़ दे कहाँ है
13:35 बोलिवुड बंग-बंग
15:00 बजाओ
16:00 सोलिड हिट्स
17:00 सुपर हिट्स
18:00 सोलिड हिट्स
19:00 बोम बोक्स
20:00 बोलिवुड बंग-बंग
21:04 आवाज़ दे कहाँ है

TIMES NOW
Always with the news.

09:00 न्युज़ नाउ
12:00 लाइव रिपोर्ट
12:30 न्युज़ नाउ एट-1
13:30 न्युज़ नाउ
18:00 6-पी.एम.
18:30 लाइव रिपोर्ट
21:00 ध न्युज़ अवर
22:00 ध न्युज़ अवर प्लस
22:30 एनोव
23:00 न्युज़ नाउ एट-11
23:30 न्युज़ नाउ ओवर नाइट

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

आप टेलीविज़न पर कौन-कौन से कार्यक्रम देखते हैं, उसकी समय-सारिणी बनाइए –

क्रम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का समय	चेनल का नाम

- **निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए :**

(1) आपको टी.वी. का कौन-सा कार्यक्रम सबसे ज्यादा पसंद है? क्यों?

(2) आप टी.वी. पर शिक्षा संबंधी कौन-कौन से कार्यक्रम देखते हैं?

(3) आप अपने टी.वी. पर प्रसारित होनेवाले कार्यक्रमों का मेनू कैसे देखेंगे?

हम कोई भी वस्तु या सेवा पैसे देकर खरीदते हैं तो हमारा यह भी अधिकार बनता है कि हमने जो वस्तु या सेवा खरीदी है वो अच्छी हो। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए हमारे देश में उपभोक्ता अधिनियम भी बनाया गया है। एक आदर्श उपभोक्ता के रूप में हमारा हक एवं फ़र्ज़ बनता है कि हम जो सेवा या वस्तु खरीदते हैं उसके नाप-तोल, भाव-ताल आदि के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करें। आओ यहाँ हम एक होटल के मेनु का अभ्यास करें –

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

होटल बच्चा पार्टी

मेनु

गुजराती थाली	65-00
गुजराती थाली (फिक्स)	45-00
पुरी-शाक	35-00
श्रीखंड-पुरी	40-00

सब्जी

दालफ्राय	20-00
चना मसाला	25-00
सेव टमाटर	20-00
सेव मसाला	30-00
आलू पालक	25-00
मिक्स भाजी	22-00
आलू मसाला	25-00
आलू मटर	30-00

पनीर सब्जी

पालक पनीर	35-00
काजू करी	50-00
पनीर भुरजी	40-00
मलाई कोफ्ता	35-00
पनीर टीका	40-00
मटर पनीर	35-00

सलाड - सेहत के रखवाले...

टमाटर	10-00
ककड़ी-टमाटर	10-00
ग्रीन सलाड	15-00

सब्जी के संग-संग...

रोटी	5-00
चपाती	4-00
नान	8-00
परोठा	7-00

राईस

जीरा राईस	35-00
पुलाव	40-00
वेज बिरयानी	45-00
सादा राईस	20-00

कुछ चटपटा हो जाय...

पाउ-भाजी	25-00
पीज़ा	35-00
मसाला डोसा	25-00
वडा पाउ	8-00
सेन्डवीच	7-00
भेल	15-00
दाबेली	5-00

कुछ ठंड़ा हो जाय...

छाछ	5-00
दूध	10-00
आइसक्रीम	20-00
बादाम शेक	25-00
लस्सी	25-00

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

प्रश्न 1. उपर्युक्त मेनु में से आपको खाने में क्या-क्या पसंद है? उसकी सूची बनाएँ एवं भाव लगाकर बील बनाइए।

क्रम	वस्तु का नाम	मूल्य
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		
7.		
8.		
9.		
10.		
	कुल	

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) क्या आप कभी कोई भी बील का टोटल मूल्य जाँचते हैं?

(2) हमें बील का टोटल मूल्य क्यों जाँचना चाहिए?

(3) हम कोई वस्तु खरीदते हैं तो उसका बील क्यों लेना चाहिए?

(4) खाने-पीने की वस्तुओं पर लगाए जानेवाले ' ' इस चिह्न का क्या अर्थ है?

पंडित दीनदयाल उपभोक्ता भण्डार — वाजिब भाव की सरकार मान्य दुकान

ला.नं. : 2/6/73 — दिनांक. : 01/08/2011

क्रम	वस्तु का नाम	प्रति आदमी अनुपात	प्रति कार्ड अनुपात अधिकतम संख्या अनुसार	कीमत
1.	चीनी	350 ग्राम	350 ग्राम	13.50
2.	नमक (आयोडीन युक्त)	1 कि.ग्रा.	1 कि.ग्रा.	1.00
3.	गेहूँ	15 कि.ग्रा.	15 कि.ग्रा.	5.40
4.	चावल	6.5 कि.ग्रा.	6.5 कि.ग्रा.	7.00
5.	मिट्टी का तेल	1.5 लिटर	1.5 लिटर	14.35

(केवल छात्रों के अध्ययन हेतु)

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

उपर्युक्त भाव-पत्रक के आधार पर बताइए कि आपके परिवार के सदस्यों की संख्या के अनुसार आपको कौन-सी चीज कितनी मिलेगी और कितने रुपये होंगे?

(1) आपको चीनी कितनी मिलेगी?

(2) आपको चावल कितना मिलेगा? और कितने रुपये होंगे?

(3) हमें क्यों आयोडीनयुक्त नमक खाना चाहिए?

(4) मिट्टी के तेल का हम क्या उपयोग करते हैं?

योग्यता विस्तार

- उपभोक्ता अधिकार की अधिक जानकारी के लिए देखें -
  www.ncdrc.nic.in
- आपकी पाठशाला की हस्तलिखित समय-सारिणी, आपके गाँव या शहर के बस, रेल आदि की समय-सारिणी का अध्ययन करें।
- वाणिज्योपयोगी शब्द :

अंश	- શેર	निख	- નેટ
उठाव	- ઉપાડ	नीलाम	- લીલામ, હરાજી
उधार	- ઉધાર	पेशगी (बयाना)	- બાનું
औसत	- સરાસરી	फुटकर	- છૂટક
कमीबेशी	- વધઘટ	बट्टा	- વળતર
पीढ़ी	- પેઢી	बढ़ती	- ઉછાળો
खरीददार	- ગ્રાહક	बही	- ચોપડો, વહી
खाता	- ખાતુ	बिकवाली	- વેચાણ, વિક્રય
गिरावट	- ઘટાડો	मँगनी	- મુદતી હૂંડી
बखार	- વખાર	महसूल	- નૂર, મહેસૂલ
घटबढ़	- વધઘટ	मुनाफ़ा	- નફો
चुंगी	- જકાત	रुक्का	- ચેક
जमा	- જમા	लाभांश	- ફાયદો
जोखिम	- જોખમ	लेवाली	- ખરીદી
थोक	- જથ્થાબંધ	सूद	- વ્યાજ
दस्तखत	- સહી	हिसाब	- હિસાબ
नकद	- રોકડા	हिस्सेदार	- ભાગીદાર

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

10 अंदाज अपना-अपना

किसी भी विषय के सम्बन्ध में तर्कपूर्ण सोचना या चिंतन करना, मनन करते हुए अपनी बात को प्रगट करना तार्किक चिंतन कहलाता है। तार्किक चिंतन वैज्ञानिक अभिगम पर आधारित व्यक्ति की सोच-विचार करने की मानसिक प्रक्रिया है। इस मुक्त चिंतन में व्यक्ति अपने जीवन के अनुभव, मान्यताएँ और दृष्टिकोण का उपयोग माहिती का पृथक्करण करने के लिए करता है और माहिती की सत्यता तक पहुँच कर निर्णय लेता है।

प्रस्तुत इकाई में तार्किक चिंतन के बहु आयामी सोच का विकास-विस्तार हो, ऐसे वैविध्यपूर्ण कुछ अभ्यास रखे गए हैं।

दिमागी दौड़

भावेशभाई वकील हैं। वह अपनी पत्नी लीना और पुत्र व्रज के साथ सुरत में रहते हैं। छोटा परिवार, सुख का आधार होता है। उनका जीवन भी खुशहाल था। एक बार दीपावली की छुट्टियों में वे तीनों अंबाजी गए। चार दिन बाद वापस आकर देखा तो चौंक गए। उन्होंने देखा कि घर के बाहर जो बगीचा है, उसके पेड़-पौधों के कई फूल-पत्ते झड़ गए हैं। घर के अन्दर जाकर देखा तो पूरा कमरा धूल से खराब हो गया था। दीवार पर की लीना और व्रज की तसवीरें भी नीचे गिर गई थीं और टूट गई थीं।

नन्हें मुन्ने बच्चो! ऐसा क्यों हुआ होगा? वे समझ नहीं पाए। आप बड़े अक्लमंद है, आप ही उन्हें बताइए।

◆

परेशभाई किसान हैं। उनकी पत्नी हीरलबहन नर्स है। एक दिन सुबह-सुबह हीरलबहन ने पानी के नल के नीचे जल्दबाजी में एक मटका रखा। बाद में नल चालू किया और रसोईघर में चाय बनाने चली गई। चाय बनाने के बाद जब वापस आकर देखा तो मटका खाली था। उसमें पानी नहीं था। हीरलबहन अपने आप पर हँसने लगी।

मेरे समझदार दोस्त, अब आप ही बताइए कि ऐसा क्यों हुआ होगा?

◆

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

10 अंदाज अपना-अपना

किसी भी विषय के सम्बन्ध में तर्कपूर्ण सोचना या चिंतन करना, मनन करते हुए अपनी बात को प्रगट करना तार्किक चिंतन कहलाता है। तार्किक चिंतन वैज्ञानिक अभिगम पर आधारित व्यक्ति की सोच-विचार करने की मानसिक प्रक्रिया है। इस मुक्त चिंतन में व्यक्ति अपने जीवन के अनुभव, मान्यताएँ और दृष्टिकोण का उपयोग माहिती का पृथक्करण करने के लिए करता है और माहिती की सत्यता तक पहुँच कर निर्णय लेता है।

प्रस्तुत इकाई में तार्किक चिंतन के बहु आयामी सोच का विकास-विस्तार हो, ऐसे वैविध्यपूर्ण कुछ अभ्यास रखे गए हैं।

दिमागी दौड़

भावेशभाई वकील हैं। वह अपनी पत्नी लीना और पुत्र व्रज के साथ सुरत में रहते हैं। छोटा परिवार, सुख का आधार होता है। उनका जीवन भी खुशहाल था। एक बार दीपावली की छुट्टियों में वे तीनों अंबाजी गए। चार दिन बाद वापस आकर देखा तो चौंक गए। उन्होंने देखा कि घर के बाहर जो बगीचा है, उसके पेड़-पौधों के कई फूल-पत्ते झड़ गए हैं। घर के अन्दर जाकर देखा तो पूरा कमरा धूल से खराब हो गया था। दीवार पर की लीना और व्रज की तसवीरें भी नीचे गिर गई थीं और टूट गई थीं।

नन्हें मुन्ने बच्चो! ऐसा क्यों हुआ होगा? वे समझ नहीं पाए। आप बड़े अक्लमंद है, आप ही उन्हें बताइए।

◆

परेशभाई किसान हैं। उनकी पत्नी हीरलबहन नर्स है। एक दिन सुबह-सुबह हीरलबहन ने पानी के नल के नीचे जल्दबाजी में एक मटका रखा। बाद में नल चालू किया और रसोईघर में चाय बनाने चली गई। चाय बनाने के बाद जब वापस आकर देखा तो मटका खाली था। उसमें पानी नहीं था। हीरलबहन अपने आप पर हँसने लगी।

मेरे समझदार दोस्त, अब आप ही बताइए कि ऐसा क्यों हुआ होगा?

◆

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

सेजल दो गमले लाई। उनमें तुलसी के पौधे थे। दोनों पौधे लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई में एक समान ही थे। एक महीने के बाद दूसरे गमले का पौधा बड़ा हो गया, जबकि पहले गमले का पौधा अब भी इतना ही था, जितना एक महीना पहले।

मेरे भोले-भोले भेजाबाज दोस्त! ऐसा कैसे हुआ होगा? आप ही बताइए।

◆

तर्क की लगाम, कल्पना के घोड़े

आप साइकिल पर स्कूल जा रहे हैं। रास्ते में देखा तो एक आदमी हाथ हिलाकर आपको रुकने का इशारा कर रहा था। आप रुके। उसने कहा कि बगलवाले गाँव में मेरा जाना जरूरी है। आपने उस आदमी को साइकिल पर बिठाया और पासवाले गाँव तक पहुँचाया। वहाँ जाकर आपको पता चला कि वहाँ एक जादूगर का कार्यक्रम होनेवाला है और वह आदमी उसका सहायक है। उस आदमी ने आपको जादू के खेल देखने का अनुरोध किया, पर पाठशाला पहुँचने में देरी हो जाएगी, यह सोचकर आपने मना कर दिया। उस आदमी ने सारी बात जादूगर को बताई। जादूगर ने खुश होकर आपको एक 'करामाती चश्मे' दिए और कहा कि, 'इसे पहनने से तुम सब को देख पाओगे और कुछ भी कर पाओगे, तुम्हें कोई देख नहीं पाएगा।' इसका असर एक हप्ते तक रहेगा।

आप चश्मा लेकर वापस अपने गाँव की पाठशाला में आए। वहाँ से घर गए। दूसरे रोज़ नहा-धोकर आईने के सामने आपने चश्मे पहने। आईने में देखा तो सचमुच आप गायब हो चुके थे।

अब आप हमें बताइए कि आप कहाँ-कहाँ जाएँगे और क्या-क्या करेंगे।

◆

पूरे दिन की पढ़ाई और खेल-कूद के बाद रात को आपकी आँख लग गई। नींद में आपने एक सपना देखा। आप घूमते-घूमते बहुत दूर निकल गए। आप नदी-पहाड़ों के अद्‌भुत सौंदर्य में लीन हो गए। आपको पता भी न चला और आप चलते-चलते जंगल में पहुँच गए। यकायक आपके सामने एक शेर आ गया। शेर को देखकर आपको होश आया। आप घबरा गए। मारे डर के आँखें बंद कर दीं। आपने ईश्वर को याद किया और कहा, "काश! मेरे पास पंछी की तरह पंख होते तो...!" तभी चमत्कार हुआ और आप के हाथ की जगह पंख ऊग आए। आप उड़कर वापस घर आए। आप बड़े खुश थे - जान भी बची और पंख भी मिल गए। सपना टूटा। आपने नींद से आँखे खोली। आपने पाया कि आपको हकीकत में हाथों की जगह पँख मिल गए हैं।

मेरे परिन्दे दोस्त! अब बताइए कि आप कहाँ-कहाँ जाएँगे और क्या-क्या देखेंगे?

◆

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

इस बार आपकी मजेदार और अनोखी कसौटी होनेवाली है। एक बड़ा जहाज़ आपको निर्जन द्वीप पर ले जानेवाला है। वहाँ केवल मिट्टी, कंकड़-पत्थर, पहाड़ और समुद्री पानी ही है। मेरे बुद्धिमान दोस्त! वहाँ एक हफ्ते तक सुख-चैन से रहने के लिए आप अपने साथ क्या-क्या ले जाएँगे - सूची बनाइए।

◆

मैं क्यों मानू ?

कुछ विज्ञापन में प्रकाशित खास विधानों को गौर से पढ़िए और उस पर वाद-विवाद कीजिए।

(1) अब नए पैक में!

(2) शौक बड़ी चीज़ है!

(3) पहले इस्तेमाल करें फिर विश्वास करें!

(4) यहाँ पेट्रोल ही नहीं, विश्वास भी मिलता है!

(5) हम सिर्फ गहने ही नहीं बनाते, रिश्ते भी बनाते हैं!

(6) पकाते हैं रसोई, परोसते हैं प्यार!

अंदाज अपना-अपना

मेरे होनहार दोस्त! अब आप भाषा की पृष्ठभूमि पर कुछ खेल खेलनेवाले हैं। उदाहरण देखते जाइए और खेलते रहिए :

- **शब्द सीढ़ियाँ पूर्ण कीजिए :**

(1)

भा	र	त
	मा	
शा	ली	न
	सी	
ब	हा	दु	र

(2)

स्व	तं	त्र	ता
		जा	मु	न
			म
क			

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

Downloaded from https:// www.studiestoday.com

- **दिए गए वर्णों का उपयोग कर, शब्द बनाइए :**

  वर्ण – | म | र | क | न | य |

  उदाहरण : मकान, नया, नामुमकिन

- **दिए गए शब्द में से एक-एक शब्द हटाते जाइए और सार्थक शब्द बनाइए और उसका अर्थ लिखिए :**

  उदाहरण : भूचाल – भूकंप
  भूल – खामी, गलती
  भू – भूमि

  (1) दोराहा (2) आराम (3) भारत (4) विवाद

- **दिए गए वाक्य में से शब्द चुनकर, नए वाक्य बनाइए :**

  काजल ने देखा कि बिल्ली कुर्सी के नीचे बैठकर रोटी खा रही है।

  उदाहरण : (1) बिल्ली कुर्सी के नीचे है। (2) काजल नीचे बैठकर रोटी खा रही है।

- **निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़िए और रेखांकित शब्दों का लिंग बदलकर परिच्छेद फिर से लिखिए :**

  लड़के ने कहा, ''मैं तुम्हें अपने बचपन की घटना सुनाता हूँ। एक बार मैं जोश में आ गया और एक हिरन का कान तोड़ दिया। फिर घोड़ी की पूँछ इतनी जोर से खींची की उखड़ गई। बाद में मैंने मोर की गरदन मरोड़ दी और शेर का मुँह खोलकर उसके दाँत तोड़ दिए। आपको यकीन नहीं होता? घटना बिलकुल सच है। आगे सुनिए आपको विश्वास हो जाएगा। मैंने जैसे ही हाथी की सूंड़ पर हाथ रखा कि दुकानदार ने मुझे दो थप्पड़ मारे और हाथ खींचकर मुझे खिलौने की दुकान से बहार निकाल दिया।''

योग्यता विस्तार

- एक व्यक्ति एक संत के पास गया। उसने संत से पूछा, ''मैं परमात्मा के किस स्वरूप का स्मरण करूँ? बताइए।'' संत ने उसे नाम न देकर, निम्नलिखित पहेली कही।
  आप बताइए कि संत ने किसका स्मरण करने को कहा होगा?

  अजा सहेली ता रिपु, उस जननी भरथार।
  उस पुत्र के मित्र को, भज ले बारबार॥

  [अजा – बकरी, रिपु – शत्रु, भरथार – पति]
- टी.वी. पर प्रदर्शित विज्ञापन आदि देखिए और उसके खास विधानों पर अपने साथियों के साथ चर्चा कीजिए :
- 'यदि आप गाँव के सरपंच बने तो...!' विषय पर अपने साथियों से चर्चा कीजिए एवं लिखिए।

Downloaded from https:// www.studiestoday.com